दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 30 जनवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 41 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

केंद्र को नया ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा कि इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान की याचिकाओं पर की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इनका देशभर में विरोध हो रहा है।

अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 19 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी नियम देशभर में लागू रहेंगे।

कोर्ट ने पूछा कि जब ह्यभेदभावह्न की परिभाषा पहले से सभी तरह के भेदभाव को कवर करती है, तो जाति-आधारित भेदभाव को अलग से परिभाषित करने की जरूरत क्यों पड़ी?

कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि रेगुलेशंस में रैगिंग को क्यों शामिल नहीं किया गया, जबकि यह कैंपस में एक बड़ी समस्या है।

सीजेआई ने कहा- अनुसूचित जातियों में भी कई लोग अब आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुके हैं। हमने अब तक जो जातिविहीन समाज की दिशा में प्रगति की है, क्या हम अब फिर से पीछे जा रहे हैं?

सीजेआई ने अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल बनाने के प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए। हम सब साथ रहते थे, आज इंटर-कास्ट मैरिज भी होती हैं। भारत की एकता शैक्षणिक संस्थानों में भी दिखनी चाहिए।

यूजीसी के नए कानून का नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन

शेष, पृष्ठ 2

अब एक क्लिक पर मिलेगी अपराधियों की क्रिमिनल कुंडली

यक्ष ऐप से कमिश्नरेट में क्राइम पर लगेगा कंट्रोल

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद करंट क्राइम। अपराधियों पर शिकंजा कसने और क्राइम कंट्रोल को और अधिक मजबूत करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट तेजी से टेक्नोलॉजी का सहारा ले रही है। इसी कड़ी में यूपी पुलिस द्वारा तैयार किए गए यक्ष ऐप के माध्यम से अब अपराधियों की पूरी क्रिमिनल कुंडली एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। इस अत्याधुनिक ऐप से न केवल अपराधियों का रिकॉर्ड डिजिटल होगा, बल्कि उनकी लगातार निगरानी भी संभव हो सकेगी। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट के सभी थानों, प्रमुख कार्यालयों और क्राइम कंट्रोल से जुड़ी टीमों को यक्ष ऐप डाउनलोड करने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के हर थाने में तैनात बीट कांस्टेबल और सब इंस्पेक्टर अपनी-अपनी बीट के अपराधियों का पूरा विवरण यक्ष ऐप में दर्ज करेंगे। इसमें अपराधियों की फोटो, वीडियो, वॉयस रिकॉर्डिंग, वर्तमान व मूल पता सहित कई अहम जानकारियां शामिल होंगी, जो पुलिस के लिए क्राइम कंट्रोल का मजबूत जरिया बनेंगी।

ऊपर से नीचे तक होगी सख्त मॉनिटरिंग

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बताया कि यक्ष ऐप में दर्ज किए गए डाटा की मॉनिटरिंग केवल बीट सिपाही तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसकी जांच सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, एसीपी, डीसीपी, एडिशनल सीपी और स्वयं पुलिस कमिश्नर स्तर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिए क्राइम हिस्ट्री, फोटो, वीडियो और ताजा जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी, जिससे अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में यक्ष ऐप की फ्री लॉन्चिंग की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में भी जल्द इसका औपचारिक लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ऐप के फायदे और उपयोग की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाएगा।

अपराधी का ठिकाना बदला तो तुरंत अलर्ट देगा ऐप

करंट क्राइम : यक्ष ऐप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यदि किसी अपराधी का पता या ठिकाना बदलता है, तो संबंधित बीट कांस्टेबल नए पते की जानकारी ऐप में दर्ज करेगा। इसके बाद ऐप से सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को ऑटोमेटिक अलर्ट जारी हो जाएगा, जिससे अपराधी की लोकेशन को लेकर कोई भ्रम नहीं रहेगा और सत्यापन आसान हो सकेगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, प्रत्येक अपराधी का नौ बिंदुओं पर सत्यापन किया जाएगा। इसमें गांव/मोहल्ले का विवरण, मोबाइल नंबर, परिवार के सदस्यों की जानकारी, परिजनों के मोबाइल नंबर, वर्तमान में अपराधी क्या कार्य कर रहा है। पूर्व आपराधिक इतिहास इन सभी जानकारियों को ऐप में अपडेट किया जाएगा। अफसर यक्ष ऐप के जरिए हर महीने अपराधियों की निगरानी कर सकेंगे।

विरासत वाले शस्त्र लाइसेंसों पर जिलाधिकारी की मुहर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी अधिकारी (शस्त्र) गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि जिलाधिकारी द्वारा विरासत के आधार पर प्राप्त शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिन आवेदनों में पुलिस एवं तहसील की जाँच आख्या प्राप्त हो चुकी थी तथा समस्त आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण थीं, ऐसे विरासत आधारित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों को जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

विरासत के आधार पर शस्त्र लाइसेंस हेतु आवेदन करने वाले आवेदक किसी भी कार्यदिवस में शस्त्र अनुभाग, कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में संपर्क कर सकते हैं।

शस्त्र लाइसेंस से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा असुविधा होने पर आवेदक अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर परिवहन विभाग का बड़ा शिकंजा

50 अवैध बसों पर कार्रवाई, 42 सीज

केवल परमिटधारी बसों में ही करें यात्रा : डॉ. सिया राम वर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश में सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमबद्ध परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निदेशों के क्रम में परिवहन विभाग ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर अवैध रूप से संचालित बसों के खिलाफ बड़ी और सख्त प्रवर्तन कार्रवाई को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई जनपद गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में की गई, जिसमें नियमों को ताक पर रखकर चल रही बसों पर सीधा प्रहार किया गया।

यह सघन अभियान डॉ. सिया राम वर्मा, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गाजियाबाद के नेतृत्व में संभाग गाजियाबाद के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा चलाया गया। अभियान के दौरान बिना परमिट, बिना वैध दस्तावेज, ओवरलोडिंग, अनधिकृत स्थानों पर सवारी उतारने-चढ़ाने तथा यातायात नियमों के उल्लंघन में चल रही बसों की गहन जांच की गई।

50 बसों का चालान, 42 वाहन सीज, 15 लाख का प्रशमन शुल्क : प्रवर्तन कार्रवाई में केन्द्रीय मोटर वाहन अधिनियम एवं उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली 50 बसों का चालान किया गया, जबकि 42 बसों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई के तहत करीब 15 लाख रुपये का प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया है। सीज की गई बसों में से 29 बसों को मोरना बस डिपो तथा 13 बसों को कासना बस डिपो में खड़ा कराया गया है।

2 फरवरी को मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह देंगे गाजियाबाद में दस्तक

बताते हैं कि जनरल वीके सिंह कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और संवाद कायम करेंगे। इसके अलावा प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से भी मुलाकात होगी। माना जा रहा है कि वो लॉ एंड ऑडर को लेकर अधिकारियों के साथ बात कर सकते हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मिजोरम के राज्यपाल तथा गाजियाबाद के पूर्व लोकसभा सांसद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह दो फरवरी को गाजियाबाद आ रहे हैं। जनरली गाजियाबाद में मिजोरम के राज्यपाल की ये दस्तक उनके राजनगर स्थित आवास पर होगी। बताते हैं कि जनरल वीके सिंह यहां कार्यकर्ताओं से मिलेंगे, उनसे संवाद कायम करेंगे। कार्यकर्ताओं से विभिन्न मुददों पर बात करेंगे। यहां पर मिजोरम के राज्यपाल, पूर्व सेनाध्यक्ष, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कायम करेंगे, उनसे विकास योजनाओं की जानकारी लेंगे और इसके अलावा यहां प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से भी मुलाकात होगी।

माना जा रहा है कि वो लॉ एन्ड ऑडर को लेकर अधिकारियों के साथ बात कर सकते हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं। मिजोरम के राज्यपाल का कार्यक्रम आ गया है और वो दो फरवरी को गाजियाबाद में मौजूद रहेंगे।

यूजीसी की नई गाइडलाइन भाजपा के लिए नीतिगत चूक विपक्ष को मिला हमला करने का बड़ा अवसर: बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूजीसी की नई गाइडलाइन प्रथम दृष्टया अनुचित हैं। उनमें न्याय और समानता की भावना का अभाव है। इसलिए नाराजगी स्वाभाविक है। इन नियमों से बच्चों का सशंकित होना भी स्वाभाविक है। पूर्व में ऐसे कई कानूनों के उदाहरण हैं जिनका भरपूर दुरुपयोग हुआ है। भाजपा शासन से ऐसे किसी नियम की अपेक्षा नहीं थी जिसमें न्याय और समानता के अवसर भी न हों। इसलिए असंतोष और निराशा अधिक है।

हमारे एक मित्र थे वह कहते थे कि जब विरोधी गलत पैर पर हो तो उसे छोड़ो मत। पहली बार भाजपा गलत पैर पर पकड़ी गई है, विरोधी ऐसा समझते हैं, इसलिए शायद कोई विरोधी इस अवसर को हाथ से जाने देना नहीं चाहता। विरोधी दलों के बड़े नेताओं ने या तो मौन साध रखा है या उसमें कुछ अनुचित नहीं दिख रहा है लेकिन उनके सारे कार्यकर्ता बखिया उधेड़ने के लिए पिल पड़े हैं। साथ ही भाजपा में भी एक वर्ग ऐसा है जिसमें कई कारणों से असंतोष है, उन्हें भी विरोध के लिए वाजिब अवसर दिख रहा है। इसलिए विरोध के स्वर अधिक तीव्र दिख रहे हैं. भाजपा के कार्यकर्ता जिनमें कोई असंतोष नहीं है, उनको भी इसका बचाव करने का कोई तर्क नहीं सूझ रहा है। भाजपा इससे कैसे निपटेगी ये भविष्य ही बताएगा।

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समाज में शासन के प्रति असंतोष है। वह कितना उचित है मैं नहीं जानता लेकिन है। ब्राह्मण विधायकों की बैठक उस असंतोष का लक्षण था। स्वामी अवमुक्तेश्वरांद की घटना ने उस असंतोष को प्रकट करने का अवसर दे दिया। यूजीसी की नई गाइड लाइन ने उसे खुलकर खेलने का अवसर उपलब्ध करा दिया। यह भाजपा की चूक है या किसी रणनीति का हिस्सा है ये तो पता नहीं लेकिन इससे भाजपा ने अपने समर्थक को आहत किया है।

इस घटना से एक बड़ा नुकसान ये हुआ है कि समाज में परस्पर ईर्षा या वैमनस्य के जो जख्म सुख गए थे जिन पर समय के साथ खुरंड जम गया था, उन्हें खुरच दिया है। ये भाजपा की अदूरदर्शिता है या कोई त्रुटि लेकिन इससे नुकसान तो हुआ है। मुझे नहीं पता कि इस निर्णय में पीएमओ की कितनी भूमिका है लेकिन मोदी जी को गाली देने के अवसर तो भरपूर उपलब्ध हो गए हैं।

न्याय और समानता पर सवाल

नई यूजीसी गाइडलाइन प्रथम दृष्टया न्याय और समान अवसर की भावना से परे दिखती हैं, जिससे छात्रों और समाज में स्वाभाविक आशंका व नाराजगी उत्पन्न हुई है।

दुरुपयोग का डर, असंतोष का आधार

पूर्व में बने कई कानूनों के दुरुपयोग के अनुभवों ने इस बार भी शंकाओं को जन्म दिया है, यही कारण है कि विरोध केवल भावनात्मक नहीं बल्कि अनुभवजन्य भी है।

विपक्ष को मिला गलत पैर का मौका

विरोधी दल इसे भाजपा की नीतिगत चूक मान रहे हैं और बड़े नेताओं की चुप्पी के बावजूद जमीनी कार्यकर्ता आक्रामक रूप से विरोध में उतर आए हैं।

भाजपा के भीतर भी असंतोष की परतें

पार्टी के भीतर पहले से मौजूद असंतोष, विशेषकर उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समाज की नाराजगी, को इस गाइडलाइन ने खुलकर सामने आने का अवसर दे दिया है।

सामाजिक ताने-बाने को नुकसान

यह मुद्दा उन सामाजिक घावों को फिर से कुरेद रहा है जो समय के साथ भर रहे थे, जिससे वैमनस्य और ईर्ष्या का वातावरण दोबारा बनने का खतरा पैदा हो गया है।

जगदीश साधना के घर भी जायेंगे जनरल वीके सिंह

करंट क्राइम। जनरल वीके सिंह का गाजियाबाद से अपना ही एक लगाव है, ये लगाव स्वभाविक है। क्योंकि गाजियाबाद से पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने अपने जीवन का पहला चुनाव जीता और वो लोकसभा सांसद बने। यहीं से सांसद रहते हुए वो केन्द्र सरकार में मंत्री बने। फिर दूसरा चुनाव भी उन्होंने यहीं से लड़ा और वो भारी वोटो से चुनाव जीते और फिर से केन्द्र सरकार में मंत्री बने। गाजियाबाद में रहते हुए ही उन्हें मिजोरम का राज्यपाल बनाया गया। जनरल वीके सिंह का आवास भी गाजियाबाद में है और खास बात ये है कि वो हमेशा अपने लोगों से एक आत्मिक लगाव रखते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश साधना की पत्नी के निधन का समाचार मिलते ही जनरल वीके सिंह ने फोन पर ही शोक सांत्वना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया। 2 फरवरी को जब जनरल गाजियाबाद आयेंगे तो बताते हैं कि वो कविनगर स्थित जगदीश साधाना के आवास पर भी जायेंगे और उनकी पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त करेंगे।

‘अजित दादा’ पंचतत्व में विलीन, नम आंखों से दी गई विदाई

राजकीय सम्मान के साथ हुआ उपमुख्यमंत्री का अंतिम संस्कार

परिवार समेत समर्थकों ने दुखी मन से कहा अलविदा, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

बारामती। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने ₹अजित दादा अमर रहें₹ के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया।

‘अजित दादा अमर रहें’ के नारे से गूंजा बारामती

अंतिम संस्कार में शामिल हुए कई केंद्रीय मंत्री : इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी वहां मौजूद थे। वे पूरे समय चुपचाप बैठे रहे और अपने भतीजे को अंतिम विदाई दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पुणे से बारामती पहुंचे और पुष्पचक्र अर्पित किए।

अजित पवार की चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले पूरे समय सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहीं और उन्हें सांत्वना देती रहीं। अंतिम संस्कार में प्रफुल्ल पटेल, रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हुए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी काटेवाड़ी जाकर अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता रितेश देशमुख भी इस मौके पर मौजूद थे।

अजित पवार अपने अनुशासन के लिए जाने जाते थे। अंतिम संस्कार के दौरान लाउडस्पीकर से बार-बार लोगों से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। प्रशासन ने कहा कि शांति बनाए रखना ही 'दादा' के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

‘दादा के बिना महाराष्ट्र की राजनीति दिशाहीन’

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार का बुधवार सुबह विमान हादसे में निधन हो गया। महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। अजित का अंतिम संस्कार आज बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में किया गया। बेटे पार्थ और जय पवार ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अपने नेता के आखिरी दर्शन करने के लिए समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग नम आंखों से अजित पवार को अंतिम विदाई दी।

बेटे पार्थ और जय पवार ने दी पिता को मुखाग्नि

प्रतिष्ठान ग्राउंड लाया गया अजित पवार का पार्थिव शरीर : तिरंगे में लिपटा अजित पवार का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए विद्या प्रतिष्ठान ग्राउंड लाया गया।

बेटे जय पवार को सौंपा तिरंगा : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के पार्थिव शरीर पर राजकीय अंतिम संस्कार के दौरान लिपटा राष्ट्रीय ध्वज अंतिम संस्कार से पहले उनके बेटे जय पवार को सौंपा गया।

प्रतिष्ठान मैदान पहुंचे अमित शाह, नितिन नबीन, फडणवीस : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान पहुंच चुके हैं।

दोनों बेटे पार्थ और जय पवार हिंदू रीति रिवाज से विधि कर रहे : अजित पवार के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया जारी है। दोनों बेटे पार्थ और जय पवार हिंदू रीति रिवाज से विधि कर रहे हैं।

बेटे पार्थ और जय ने निभाई अंतिम संस्कार की रस्में : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ और जय ने बारामती में अपने पिता के अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं।

अंतिम संस्कार में भावुक हुई पत्नी सुनेत्रा पवार : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अंतिम विदाई के समय उनकी पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार अपने पति के पार्थिव शरीर को देखकर भावुक हुई।

पत्नी सुनेत्रा पवार ने दीं अंतिम श्रद्धांजलि : पत्नी सुनेत्रा पवार ने अपने पति अजित पवार को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

परिवाजनों ने दी श्रद्धांजलि : अजित पवार के अंतिम संस्कार पर उनके परिवारजनों ने उनको अंतिम श्रद्धांजलि दी।

अजित पवार के अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब : अजित पवार के अंतिम संस्कार में जनसैलाब उमड़ पड़ा है। विद्या प्रतिष्ठान के मैदान से ड्रोन से रिकॉर्ड किया गया वीडियो।

शाह, फडणवीस, नीतीन नवीन समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि : गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नीतीन नवीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नितीन गडकरी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

नितिन नवीन ने अजित पवार को पुष्पांजलि अर्पित की : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अजित पवार को अर्पित की पुष्पांजलि, दी अंतिम विदाई।

फडणवीस ने अजित पवार को अर्पित किया पुष्पचक्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे।

केंद्र को नोटिस जारी, 19 मार्च को अगली सुनवाई : सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे।

जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने बताई अपनी दलीलें : वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा, 'आज, सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है।

मायावती ने कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूजीसी के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए लाए गए नियमों में रोक लगाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इन नियमों से देश में सामाजिक तनाव पैदा हो गया था। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का आज लिया गया निर्णय उचित है। उन्होंने कहा कि

अगर सरकार ने इन नियमों को लागू करते समय सभी पक्षों को विश्वास में लिया होता तो इस तरह का तनाव नहीं पैदा होता। एक्स पर दिए गए बयान में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये हैं।

डीसीपी ग्रामीण का भी बनेगा हाईटेक ऑफिस

दुहाई स्थित निर्माणाधीन कार्यालय का डीसीपी मुख्यालय ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में लगातार आधारभूत ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में डीसीपी ग्रामीण का दुहाई स्थित निमार्णाधीन कार्यालय भी अब अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हाईटेक भवन के रूप में तैयार किया जा रहा है।

यह बहुमंजिला भवन आरआरटीएस द्वारा निर्मित कराया जा रहा है, जिसमें अधिकारियों, स्टाफ और कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक कार्यालय व्यवस्था विकसित की जा रही है। भवन में बैठने की समुचित व्यवस्था, बेहतर कार्य वातावरण, साफ-सफाई, जलापूर्ति सहित सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि कार्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो। गुरुवार को डीसीपी मुख्यालय आईपीएस अधिकारी धवल जायसवाल ने आरआरटीएस की टीम एवं निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों के साथ निमार्णाधीन कार्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा करने और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के स्पष्ट निर्देश दिए। गौरतलब है कि पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड के गाजियाबाद में पदभार संभालने के बाद से जिले के थानों, पुलिस कार्यालयों और अन्य पुलिस परिसरों की तस्वीर लगातार बदल रही है। थानों का नवनिर्माण, कार्यालयों का आधुनिकीकरण और जनसुनवाई व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। पुलिस कार्यालयों में अब आमजन के लिए अलग बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण, पेयजल सुविधा, रिकॉर्ड रूम बेहतर और जनसुनवचाई के लिए समुचित स्थान जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे पुलिसिंग के साथ-साथ जनता को भी सकारात्मक अनुभव मिल सके।

शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए योगी सरकार की बड़ी घोषणा

15 लाख कर्मी करा सकेंगे निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा जगत से जुड़े लाखों कर्मियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह तय किया गया कि अब प्रदेश के माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मी और उनके आश्रित परिवार सरकारी के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी कैशलेस इलाज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बीते वर्ष शिक्षक दिवस पर इसकी घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इससे बेसिक व माध्यमिक शिक्षा से जुड़े लगभग 15 लाख शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी लाभान्वित होंगे। इस पर समग्र रूप से लगभग 448 करोड़ रुपये का व्यय होगा। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रेसवार्ता में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में कुल 32 प्रस्ताव आए, जिनमें 30 को कैबिनेट की स्वीकृति मिली।

प्रेसवार्ता में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बताया कि सरकार की इस पहल का लाभ 2.97 लाख से अधिक लोगों को मिल सकेगा, जबकि इस पर 89.25 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है।

'देश को पाखंड से भरा संदेश दे रहे पीएम मोदी' : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बजट सत्र पर उनकी टिप्पणियों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक सत्र की शुरूआत से पहले ₹देश को अपना वही पाखंडी संदेश₹ देते हैं। आज का प्रदर्शन इसी कड़ी का हिस्सा है। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ₹वह (प्रधानमंत्री) राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठकें नहीं बुलाएंगे और न ही उनकी अध्यक्षता करेंगे।₹

रमेश ने दावा किया कि वह अचानक अंतिम समय में विधेयक पेश करवाएंगे और आवश्यक विधायी जांच के बिना उन्हें संसद से पारित करवा देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी संसद में बैठकर विपक्षी नेताओं की चिंताओं का जवाब नहीं देंगे, बल्कि दोनों सदनों में चुनावी रैलियों में भाषण देंगे। आगे उन्होंने कहा ₹प्रत्येक सत्र की शुरूआत से पहले, वह संसद को पृष्ठभूमि बनाकर अपना वही पाखंड से भरा 'देश के नाम संदेश' देंगे। आज का प्रदर्शन इसी श्रृंखला का हिस्सा है,₹

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है। उन्होंने निमार्ताओं से आग्रह किया कि वे उनके लिए खुल रहे नए बाजारों से लाभ उठाएं।

तस्करी : दिल्ली में करीब 10 करोड़ रुपये कीमत का मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री के पास से 9.84 किलोग्राम मारिजुआना बरामद कर उसे मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यात्री 26 जनवरी को टर्मिनल तीन पर पहुंचा था और स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर उसे रोका गया। इसके बाद उसे ग्रीन चैनल पर उसके सामान की एक्स-रे जांच के लिए ले जाया गया, फिर विस्तृत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक हरे रंग के हैंडबैग से एक तरफ काले और एक तरफ पारदर्शी कुल नौ पॉलीबैग बरामद किए गए, जिनमें कई परतों में वैक्यूम-सील पैकेट रखे हुए थे। बयान में कहा गया है कि डायग्नोस्टिक परीक्षण में बरामद पदार्थ प्रारंभिक तौर पर गांजा या मारिजुआना पाया गया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 9.83 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके बाद यात्री को 26 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया गया और मादक पदार्थ के साथ उसे छिपाने में इस्तेमाल की गई सामग्री को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त किया गया।

दिल्ली में अभी और होगी बारिश सर्द हवा ने सिहरन कराई महसूस

नई दिल्ली। राजधानी में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को हुई बारिश का प्रभाव बुधवार को भी रहा। बुधवार को सुबह की शुरूआत कोहरे व धुंध के बीच हुई। इससे दृश्यता भी कम रही। इसी बीच तेज बफीर्ली हवाओं ने दिल्ली में ठिठुरन बढ़ा दी। दिनभर सूर्यदेव ने दर्शन नहीं दिए। शाम को तेज ठंडी हवाओं ने गलन बढ़ा दी। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 18.4 और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री दर्ज हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 12, आया नगर में 12.7, लोधी रोड में 12.6 और पालम में 11.5 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को सुबह के वक्त हल्का से मध्यम कोहरा छाने की संभावना जताई है। दिन में आंशिक रूप से बादल नजर आ सकते हैं। इस दौरान सर्द हवाएं भी चलेंगी। हवा की गति 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा देखी जा सकती है। साथ ही, न्यूनतम तापमान के 6 से 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग ने 30 जनवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ के दस्तक देने की चेतावनी दी है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली। शुक्रवार 30 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

महापौर की अध्यक्षता में 82.76 करोड़ के विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में आयोजित 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि की महत्वपूर्ण बैठक में शहर के समग्र विकास से जुड़े 82 करोड़ 76 लाख रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इन प्रस्तावों में पेयजलापूर्ति, सीवर लाइन, पार्कों का सौन्दर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य शामिल हैं।

तीन विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की मंजूरी बैठक में विधानसभा-वार विकास कार्यों को भी हरी झंडी दी गई है। जिसमें साहिबाबाद विधानसभा में 31.43 करोड़, मुरादनगर विधानसभा 18.09 करोड़ और शहर विधानसभा 30.63 करोड़ से होगा। महापौर ने कहा कि इन योजनाओं से शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर रूप में उपलब्ध होंगी

शेष, पृष्ठ 8

सियासत के दो दिग्गजों से जब हुई उनके चुनाव लड़ने की बात तो कुछ इस तरह रहा पूर्व सांसद और पूर्व विधायक का अंदाज

गुरुजी का ना इंकार, ना इकरार और समय पर दिया टाल

करंट क्राइम। चार बार लोकसभा सांसद रह चुके रमेश चंद तोमर इलेक्शन प्लेयर हैं। वो वरिष्ठ भाजपा नेता है और राजनीति के एक ऐसे गुरू हैं जो जानते हैं कि कब क्या कहना है। चुनावी वर्ष शुरू हो चुका है और ऐसे में जब करंट क्राइम ने उन्हें इलैक्शन वाले सवाल को लेकर बात रखी तो यहां रमेश चंद तोमर पहले तो मुस्कुराये और फिर थोड़ी देर सोचते रहे। उन्होंने अपने जवाब से पहले एक सस्पेंस क्रिएट किया और उसके बाद सवाल पर रिएक्ट किया। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने चुनाव लड़ने की बात पर ना तो ठीक से हां कहा और ना ही ठीक से ना कहा। इसके बाद पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने कहा कि जो भी कुछ होगा वो समय पर देखा जायेगा। बड़ी बात ये है कि राजनीति के इस खिलाड़ी ने चुनाव वाली बात को भविष्य पर टाल दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय देखा जायेगा और अभी से क्या बतायें। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर एक बड़े किरदार हैं। और सवाल ये भी था कि इन दोनों ही चेहरों की अब राजनीति में उम्र बढ़ रही है, ऐसे में ये दोनों उम्र वाले फ्रेम में आते हैं या नहीं आते हैं। दूसरी बात ये भी है कि क्या ये चेहरे खुद को वीआरएस पर मान रहे हैं या नहीं मान रहे हैं। फिलहाल तो भगवा गुरूजी ने चुनाव लड़ने वाली बात को समय पर टाल दिया है, लेकिन जो लोग उनके वीआरएस को लेकर रिलैक्स हैं वो इस बात का ध्यान रखें की गुरू जी ने इलेक्शन लड़ने से इंकार नहीं किया है बल्कि इस बात को संभावनाओं पर टाल दिया है।

बोले पूर्व विधायक मुन्नी तीन महीने बाद खोलेंगे चुनाव लड़ने वाली बात

करंट क्राइम। चुनाव का सवाल पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी से भी था। सुरेन्द्र कुमार मुन्नी कांग्रेस से भी चुनाव लड़ चुके हैं , सपा से भी चुनाव लड़ चुके हैं। और उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल से भी विधानसभा का चुनाव लड़ा। सीधी सी बात है कि चुनाव के खिलाड़ी है और एक ऐसे नेता है जिनके पास खुद का भी जनाधार है। करंट क्राइम ने जब उनसे चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया तो थोड़ी देर तो पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी ने खुद को साईलेंट मोड पर कर दिया। इसके बाद एक लम्बी सी मुस्कुराहट उनके चेहरे पर आई और कहा कि ये ऐसा सवाल है जिस पर जल्दी से जवाब नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि फिलहाल तो कोई जवाब नहीं देंगे, लेकिन उसके बाद वो लौटे और उन्होंने कहा कि तीन महीने बाद इस सवाल का जवाब दूंगा कि चुनाव लड़ना है या नहीं लड़ना है। इलैक्शन के सवाल पर इलैक्शन के खिलाड़ी ने जवाब के लिए तीन महीने का एक्सटेंशन मांग लिया है। जाहिर है कि इलैक्शन को लेकर मन में कहीं ना कहीं कुछ तो कैल्कुलेशन चल रहा है। अब तीन महीने का इंतजार सभी को करना है। उसके बाद चुनाव वाली बात बाहर आयेगी और पताचलेगा कि राजनीति के ये दोनों खिलाड़ी कौन कौन सी पिच पर अपनी तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल तो तीन महीने का एक्सटेंशन लेकर पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी चले गये।

- दोनों ही नेता ऐसे हैं जिनका अपना-अपना चुनावी किरदार है, दोनों का अपना जनाधार है और दोनों लम्बे समय से राजनीतिक पारी खेल रहे हैं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि अगर सियासत कर रहे हो तो फिर जीवन में चुनाव वाला पर्चा जरूर भरो। अगर राजनीति में तुम्हारे नाम का चर्चा ही ना हुआ और राजनीति में तुमने इलैक्शन वाला पर्चा ही ना भरा तो सारा खर्चा बेकार ही मानों। वैसे राजनीति में कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो चुनाव के खिलाड़ी होते हैं। वो जीत हार की परीधी से बाहर जाकर चुनावी रण में उतरते हैं। जीत भी हासिल होती है और हार भी हासिल होती है लेकिन वो चुनावी रण को नहीं छोड़ते।

पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर राजनीति की एक पाठशाला है। चार बार सांसद रहे हैं। लगातारचुनाव लड़े हैं। सांसद से लेकर विधायक का चुनाव लड़ा है और आज भी उनमें चुनावी ऊर्जा मौजूद है। राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय रहते हैं। किसानों के मुददों से लेकर वाले रामलीला जैसे मुददे पर हमेशा एक्टिव मोड में दिखाई देते हैं। कुल मिलाकर सार ये है कि सियासत के खिलाड़ी हैं।

वहीं गाजियाबाद के ही सुरेन्द्र कुमार मुन्नी का भी पॉलिटिकल प्रोफाईल कुछ ऐसा ही है। तीन बार विधायक रहे हैं और उन्होंने अपना चुनावी बल कई बार दल बदलकर भी आजमाया है। राजनीतिक पृष्ठ भूमि प्रतिष्ठित है। राजनीति के ईमानदार और मेहनती चेहरों में गिनती होती है। सज्जन छवि है और चुनाव लड़ने के वो भी माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं। एक सामाजिक कार्यक्रम में ये दोनों चेहरे एक साथ नजर आये। अगर चुनाव माहौल की बात करें तो ये ईयर लगभग चुनावी ईयर ही है और चुनाव वाले चेहरे भले ही फिलहाल खामोश हैं लेकिन उनमें अंदरखाने चुनाव को लेकर पूरा जोश है। चुनाव वाले चेहरे चुनाव ना लड़ें ऐसा नहीं हो सकता। वो सियासत की नब्ज पकड़कर चलते हैं। जब 2027 को लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गयी है तो ऐसे में इन दोनों चुनावी चेहरों से करंट क्राइम ने बात की।

रमेश चंद तोमर अपने आप में एक राजनीतिक हस्ती हैं। चार बार सांसद रहे हैं। केन्द्र की राजनीति का चेहरा हैं। वहीं सुरेन्द्र कुमार मुन्नी तीन बार विधायक रहे हैं और प्रतिष्ठित प्रोफाईल के नेता है। ये दोनों ही चेहरे हैं और कमेटिड होकर चुनाव लड़ते हैं। एक सामाजिक कार्यक्रम में ये दोनों चुनावी चेहरे एक साथ करंट क्राइम को दिखाई दिये। यहां पर करंट क्राइम ने एक सवाल उछाला और ये सवाल उनके संभावित चुनाव लड़ने की बात को लेकर था। वो चुनाव लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे। उनकी चुनावी संभावनायें क्या रहेंगी। अपने चुनाव को लेकर वो क्या सोचते हैं। ये सब बातें करंट क्राइम के सवाल में ही नहीं थीं। यहां पर राजनीति के इन दोनों ही चुनावी खिलाड़ियों का अंदाज कुछ जुदा-जुदा रहा। एक ने चुनाव लड़ने ना लड़ने के सवाल को तीन महीने की अवधि पर टाल दिया, और दूसरे ने ना इंकार किया और ना इकरार किया।

इस सवाल को ही समय पर टाल दिया। राजनीति के ये दिग्गज माहोल को संस्पेंसफुल बना रहे हैं। सही में चुनाव के खिलाड़ी हैं और एन मौके पर ये नेहले पर देहला मारना जानते हैं। फिलहाल तो दोनों ने अपने अपने अंदाज में कुछ इस तरह से अपनी बात रखी। दोनों ही नेता ऐसे है जिनका अपना अपना चुनावी किरदार है, दोनों का अपना जनाधार है और दोनों लम्बे समय से राजनीतिक पारी खेल रहे हैं। सक्रिय राजनीति करते हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि दोनों ही नेता वाणी के इतने धनी है कि ये जानते हैं कि कहां पर रूकना है, कहां पर मिलना है और कहां पर चुप रहना है।

नगर निगम के हाईटेक सदन कक्ष में होगी अगली बोर्ड बैठक!

तेजी से चल रहा है निर्माण व जीर्णोद्धार कार्य, फरवरी तक पूरा करने का लक्ष्य

- नगर आयुक्त ने किया सदन कक्ष का निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय स्थित सदन कक्ष को अत्याधुनिक और हाईटेक स्वरूप देने के लिए बड़े स्तर पर निर्माण एवं सुधार कार्य किया जा रहा है। लंबे समय से लंबित बोर्ड बैठकों के बीच अब यह संभावना प्रबल हो गई है कि नगर निगम की अगली बोर्ड बैठक नए और भव्य हाईटेक सदन कक्ष में ही आयोजित की जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने फरवरी माह तक सभी कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया है। सदन कक्ष में पार्षदों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। यहां आधुनिक लाइटिंग सिस्टम, उच्च गुणवत्ता वाला साउंड सिस्टम, माइक व्यवस्था, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, एलईडी वॉल और कैमरा इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। करीब 100 पार्षदों के बैठने के साथ-साथ मीडिया प्रतिनिधियों और नगर निगम अधिकारियों के लिए भी पृथक एवं व्यवस्थित स्थान सुनिश्चित किया जा रहा है। उधर गुरुवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निर्माण विभाग की टीम के साथ सदन कक्ष का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि पूर्व में आग लगने से सदन कक्ष की छत को जो नुकसान हुआ था, उसकी मरम्मत और सुरक्षा उपायों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम का सदन शहर का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक मंच है, इसलिए इसे पहले से अधिक आधुनिक, सुरक्षित और भव्य रूप में विकसित किया जा रहा है। कार्यकारिणी कक्ष में भी जरूरत के अनुसार मरम्मत कार्य, फर्नीचर परिवर्तन तथा अधिकारियों एवं पार्षदों के लिए सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही विद्युत वायरिंग, तकनीकी खामियों और अन्य अधूरे कार्यों को भी दुरुस्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए सदन कक्ष में पार्षदों के लिए आरामदायक कुर्सियां, डेस्क और टेबल की सुविधा उपलब्ध होगी। पूरी सदन कार्यवाही को कैमरों के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भविष्य के लिए कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकेगा। गौरतलब है कि पिछले काफी समय से नगर निगम की बोर्ड बैठकें आयोजित नहीं हो सकी हैं। अब जब सदन कक्ष का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है, तो यह माना जा रहा है कि फरवरी माह में कार्य पूर्ण होते ही नगर निगम की अगली बोर्ड बैठक नए हाईटेक सदन कक्ष में आयोजित की जाएगी। इससे न केवल पार्षदों और अधिकारियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि नगर निगम की कार्यप्रणाली भी अधिक सुव्यवस्थित और तकनीकी रूप से सशक्त होगी।

कानून के जरिये भेदभाव की नीति और समाज को बांटने का काम कर रही है सरकार : अभिषेक गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। यूजीसी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेशसचिव अभिषेक गर्ग ने दैनिक करंट क्राइम के साथ अपनी राय को साझा किया। अभिषेक गर्ग समाजवादी पार्टी का एक ऐसा चेहरा है जो शिक्षा और प्रतिष्ठा दोनों के दायरे से इस मुददे पर बेहतर तरीके से बात रख सकते हैं। वो समाजवादी पार्टी के नेता है और उच्च शिक्षित हैं। उनकी शिक्षा दीक्षा देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से लेकर विदेश से हुई है। वो वैश्य वर्ग के कुलीन और प्रतिष्ठित परिवार से आते हैं। राजनीति के ऐसे चेहरे हैं जो बुनकरों से लेकर छोत्रों तक उनके विषयों, उनके हितों की लड़ाई लड़ सकते हैं। अपनी बात को बेहद शालीन और शिष्ट तरीके से रखते हैं। समसामयिक मुददों पर गहरी पकड़ है।

यूजीसी को लेकर समाजवादी पार्टी के अभिषेक गर्ग ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात ये है कि छात्र जीवन में ही व्यक्तिव का बीज अंकुरित होता है और यही पौधा बाद में वृक्ष बनता है। उन्होंने यूजीसी कानून को लेकर कहा कि मैं ये बात इसलिए भी कह कहा हूं कि ये मुददा राजनीति से ज्यादा देश के करोड़ा युवा छोत्रों के भविष्य से जुड़ा है। जब इस तरह के कानून आयेंगे तो सरकार आखिर ऐसे कानून के जरिये भेदभाव की नीति और समाज को बांटने का काम कर रही है। मौजूदा सरकार अपनी राजनीति चमकाने के लिए अपने सियासी लक्ष्यों को हांसिल करने के लिए और अपने स्वार्थ के लिए देश के युवाओं को घटिया राजनीति का शिकार बना रही है। ये सरकार की

देश के युवा देश का भविष्य हैं, देश का संसाधन हैं। युवा और छोत्रों को भटकाकर आप एक कुचक्र रच रहे हैं।

ओछी राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मेरा ये कहना है कि अगर इतनी ओछी राजनीति होगी तो ये सोचना होगा कि वो देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। देश के युवा देश का भविष्य हैं, देश का संसाधन हैं। युवा और छोत्रों को भटकाकर आप एक कुचक्र रच रहे हैं। उनके बीच में आप ऐसा कानून ला रहे हैं जिसके जरिये उनका भविष्य खराब हो सकता है। अगर किसी शिक्षण संस्थान में कभी इस तरह की कोई बात भी होती है तो उसके लिए हमारी भारतीय संस्कृति में गुरू शिष्य की परम्परा रही है। कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण उस स्तर पर हो सकता है। लेकिन छोत्रों को आप कानून की परिधी में लाकर , कानून की परिधी से बांधकर छोत्रों का भविष्य बर्बाद करना चाहते हैं। अभिषेक गर्ग ने कहा कि क्या सरकारों को ये नहीं लगता कि क्या छात्र जीवन में किसी भी युवा की मानसिकता परिपक्व नहीं होती है। वो चंचल होते हैं, चलायमान होते हैं और शिक्षा की ऐसी उम्र में अगर कानून की धाराओं में युवा को उलझायेंगे तो देश किस दिशा में जायेगा। उन्होंने यूजीसी को लेकर कहा कि हर चीज में राजनीति ढूंढकर लाना देश के भविष्य को बर्बाद करने की एक बड़ी साजिश है। यह भारत सरकार द्वारा लिया गया एक अविवेक पूर्ण निर्णय है। समाज के निर्माण के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। और सरकारों को केवल अपनी राजनीति के लिए ऐसे फैसले लेने से बचना चाहिए। इस अविवेकपूर्ण निर्णय से दोनों ही वर्गों का अहित होगा और समाज में वैमन्सय बढ़ जायेगा। छात्रों का भविष्य अंधकार में होगा। जीवन में हर चीज राजनीति नहीं होती है और सरकारों को अपने किसी भी फैसले में विवेक का इस्तेमान जरूर करना चाहिए।

'महानगर कांग्रेस कमेटी ने 100 वार्डों की जिम्मेदारी एक व्यक्ति को सौंप रखी है'

गाजियाबाद करंट क्राइम। अहमदाबाद में हुई कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी संगठन में बूथ और ब्लॉक लेवल पर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया था। उन्होंने सभी जिला एवं महानगर इकाइयों को वार्ड लेवल पर बूथों को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। पंचायत और विधानसभा चुनाव को देखते हुए महानगर और जिला संगठन में फेरबदल किया गया था।

महानगर में वीर सिंह जाटव को अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी महानगर के तहत आने वाले 100 वार्डों में संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया था। उन्होंने महानगर के सभी वार्डों में कमेटियों का गठन कर पूरी सूची प्रदेश इकाई को भेजने के निर्देश दिए थे। जानकारी के अनुसार, महानगर के तहत आने वाले वार्डों में अभी नियुक्तियां पूरी नहीं हुई है। हालत यह है कि सभी 100 वार्डों की जिम्मेदारी एक व्यक्ति को दी गई है। यह व्यक्ति सूर्यकांत है। महानगर कांग्रेस के कार्यकताओं का कहना है कि सूर्यकांत को मंडलों में कोई जानता नहीं है। वार्डों में क्या हो रहा है पिछले दो-तीन महीने से ना तो इसकी जानकारी ली जा रही है और ना ही कोई दिशा निर्देश दिया जा रहा है पूर्ण विवाह कार्यकताओं का कहना है कि एक व्यक्ति पूरे 100 वार्डों की जिम्मेदारी को कैसे संभाल सकता है।

गाजियाबाद महानगर के तहत गाजियाबाद और साहिबाबाद विधानसभा आती है इसमें नगर निगम के करीब 100 वार्ड है। एक और जहां भाजपा ने सभी 100 वार्डों में वार्ड अध्यक्ष नियुक्त किया किया है वहीं कांग्रेस की ओर से वार्डों में कोई कमेटी या अध्यक्ष की नियुक्ति के बारे में कार्यकताओं तक को जानकारी नहीं है। वार्डों में कार्यकताओं का कहना है कि वार्ड अध्यक्ष कौन है उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। वार्ड अध्यक्ष की नियुक्ति हुई है या नहीं, वार्ड कमेटियां है या नहीं, इसकी भी कोई सूची अभी तक कोई जारी नहीं की गई है।

महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव का कहना है कि उनके लिए सभी वार्डो की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना संभव नहीं है। इसके लिए उन्होंने सूर्यकांत को जिम्मेदारी दे रखी है। सूर्यकांत सभी वार्डो से जानकारी हासिल कर उन्हें इसके बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि जैसे पूरे प्रदेश की जिम्मेदारी अध्यक्ष अजय राय पर है इस तरह सभी 100 वार्डों की जिम्मेदारी सूर्यकांत पर है। महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव का कहना है कि नगर निगम ने सभी वार्डों को 6 जून में बात है इसी तरह कांग्रेस ने भी सभी 6 जून में प्रभारी नियुक्त किया है। इसके अलावा मंडल प्रभारी बनाए गए हैं। वीर सिंह जाटव का दावा है कि वार्ड स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करने का काम लगातार जारी है।

डीएम ने दिए सिटी मजिस्ट्रेट को पार्किंग और जाम खात्मे के निर्देश

जिला मुख्यालय परिसर में जाम और अव्यवस्थित पार्किंग को लेकर ट्रैफिक पुलिस को किया अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम । गाजियाबाद जिलाधिकारी कार्यालय और पुलिस कार्यालय के आसपास लगने वाले भीषण जाम और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान गाजियाबाद के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड ने इस समस्या को गंभीर मानते हुए सिटी मजिस्ट्रेट संतोष कुमार को स्पष्ट और कड़े निर्देश जारी किए हैं। डीएम ने कहा कि जिला मुख्यालय परिसर में आम जनता, फरियादियों और अधिकारियों को जाम व अव्यवस्थित पार्किंग के कारण रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ-साथ जाम की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए और इसका असर जमीन पर दिखाई दे।

पार्किंग संचालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

करंट क्राइम : जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए हैं कि जो भी पार्किंग संचालक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से वाहन खड़े न हों, जिससे यातायात बाधित होता है। वहीं डीएम ने ट्रैफिक पुलिस को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस नियमित रूप से क्षेत्र में निगरानी रखे और अवैध पार्किंग करने वालों के खिलाफ चालान व आवश्यक कार्रवाई करे, ताकि जिला मुख्यालय परिसर को जाम-मुक्त बनाया जा सके। गौरतलब है कि जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस कार्यालय और अन्य सरकारी दफ्तरों में रोजाना बड़ी संख्या में फरियादी और आम नागरिक अपने सरकारी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण लोग मजबूरन सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई बार तो कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर ही वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे अधिकारियों और आम लोगों दोनों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

पहले भी हो चुके हैं प्रयास, नहीं मिल पाई सफलता

करंट क्राइम : इस समस्या को लेकर पूर्व में भी कई बार सुधार के प्रयास किए गए, लेकिन वे स्थायी रूप से सफल नहीं हो सके। अब एक बार फिर जिलाधिकारी के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया, जिस पर उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए समस्या का प्रभावी और टिकाऊ समाधान लागू करने को कहा है। बता दें कि पुलिस कमिश्नर भी जाम में फंस चुके हैं। यहां पर बता दें कि बुधवार को ही पुलिस कमिश्नर स्वयं अपने कार्यालय जाते समय इसी क्षेत्र में जाम में फंस गए थे, जिसके बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया था। इसके बाद से जिला मुख्यालय परिसर की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सक्रियता और बढ़ गई है। अब देखना यह होगा कि जिलाधिकारी द्वारा दिए गए इन निदेशों का धरातल पर कितना असर दिखाई देता है और क्या जिला मुख्यालय परिसर वास्तव में जाम-मुक्त हो पाता है या नहीं।

संपादकीय

विमान हादसे और लापरवाही

अहमदाबाद और बारामती में हुए विमान हादसों ने देश को झकझोर दिया है। बारामती में अजित पवार के विमान के साथ हुई दुर्घटना में दृश्यता की कमी, मेडे कॉल न देना और अनियंत्रित एयरफील्ड जैसी गंभीर खामियां सामने आई हैं। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसा और बारामती में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के विमान का क्रैश होना - ये दो बिल्कुल अलग घटनाएं दिख सकती हैं, लेकिन दोनों ने ही देश को स्तब्ध कर दिया है और दोनों कई सवाल छोड़ गई है। अहमदाबाद केस की जांच अब भी जारी है और हर कुछ दिन ऐसी बातें सामने आती हैं, जिनसे मदद के बजाय उलझन ज्यादा होती है। वहीं, बारामती हादसा शुरू से कई गंभीर कमियों की ओर इशारा कर रहा है।

विजिबिलिटी की कमी। DGCA की ओर से दी शुरूआती जानकारी से साफ है कि विमान के पायलट को रनवे नहीं दिख रहा था। पहली बार लैंडिंग की कोशिश नाकाम हुई, तो विमान ने हवा में फिर से चक्कर लगाया। दूसरी बार भी शुरूआत में रनवे नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ देर बाद कहा गया कि रनवे दिखने लगा है। इसके कुछ क्षणों बाद ही भयानक हादसा हो गया। खतरनाक स्थितियां। DGCA के मुताबिक, क्रू ने मेडे कॉल नहीं दी। विमानन क्षेत्र में मेडे वह चेतावनी है, जो अति गंभीर स्थिति में जारी की जाती है। अगर आखिरी वक्त में हालात पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं थे तो मेडे कॉल क्यों नहीं दी गई? दूसरी चिंता फ्लाइंग कंडीशन को लेकर है। बारामती में ट्रैफिक सर्विस और सूचनाएं एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया नहीं, फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशंस की तरफ से उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे एयरफील्ड को अन कंट्रोल्ड कहते हैं और आमतौर पर यहां सुविधाएं कम होती हैं। तो जब विजिबिलिटी का संकट था और दो बार रनवे नहीं दिखा, क्या लैंडिंग के जोखिम को नजरअंदाज किया गया?

अधूरी जांच। अजित पवार जिस विमान में सवार थे, सितंबर 2023 में इसी कंपनी का एक विमान मुंबई एयरपोर्ट पर हादसे का शिकार हो गया था। तब गनीमत रही कि उसमें किसी की जान नहीं गई। हालांकि उस दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई, जबकि ज्यादातर कार्रवाई पूरी की जा चुकी चुकी है। ऐसे मामलों में देरी का मतलब है किसी और दुर्घटना को रोकने के लिए मिलने वाले समय को गंवा देना।

हर हादसा सबक। कंपनी के दोनों विमान अलग हैं और एक हादसे को दूसरे से नहीं जोड़ा जा सकता। यहां मकसद किसी पर दोष डालना भी नहीं। लेकिन, इस क्षेत्र में हर हादसा एक सबक होता है, जिससे सीख लेकर आगे कई हादसों को टाला जा सकता है। जब राजनीतिक तौर पर इतनी बड़ी क्षति हुई है, 5 जानें गई हैं, तब यह कहने भर से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती कि सेफ्टी जांच में सब सही मिला था।

विदेशी बिकवाली के दबाव के बावजूद बाजार में मजबूती, सेंसेक्स 82,566 पर बंद

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक उछलकर 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक की बढ़त के साथ 25,418.90 पर बंद हुआ। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। ब्लू-चिप शेयरों लार्सन एंड टुब्रो में तेजी और आर्थिक सर्वेक्षण में आगामी वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के 6.8-7.2 प्रतिशत के अनुमान के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को उच्च स्तर पर बंद हुए।

शुरूआती गिरावट से उबरते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक या 0.27 प्रतिशत चढ़कर 82,566.37 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान, इसमें 636.74 अंक या 0.77 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,707.94 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़कर 25,418.90 पर बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में व्यापक सूचकांक 182.95 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 25,159.80 के निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी फंडों के बिकवाली दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की भावना के बीच रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 91.96 (अस्थायी) के करीब बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.41 प्रतिशत की उछाल देखी गई। एक्सिस बैंक, इटरनल, एनटीपीसी, अदानी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक भी लाभ कमाने वालों में शामिल थे। हालांकि, एशियन पेंट्स, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

यूरोपीय बाजार में दिखी तेजी : एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार बुधवार को स्थिर बंद हुए।

लार्सन एंड टुब्रो के परिचालन राजस्व में हुई 10 प्रतिशत बढ़ी

अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में लार्सन एंड टुब्रो का समेकित परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 64,668 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत बढ़कर 71,450 करोड़ रुपये हो जाने के बाद इसके शेयरों में 3.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आर्थिक सर्वेक्षण में क्या रहा जीडीपी का अनुमान

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में सुधारों के संचयी प्रभाव के आधार पर अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है और कहा गया है कि अर्थव्यवस्था स्थिर स्थिति में बनी हुई है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत इस वर्ष के दौरान समाप्त होने की उम्मीद है, एक ऐसा घटनाक्रम जो बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितता को कम करने में मदद कर सकता है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार मजबूत आर्थिक सर्वेक्षण के समर्थन से उच्च स्तर पर बंद हुए, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए मजबूत विकास दृष्टिकोण की पुष्टि की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मुद्रास्फीति के स्थिर माहौल को बनाए रखा।

वैश्विक उथल-पुथल में भारत उम्मीद मगर सस्ते पैसे से बढ़ा जोखिम

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में आर्थिक समीक्षा पेश किए जाने के बाद मीडिया से बात की। सीईए ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल के बीच एक उम्मीद करार दिया, लेकिन साथ ही बाजारों, एआई और घरेलू नीतियों को लेकर स्पष्ट चिंता भी जाहिर की। नागेश्वरन का सबसे बड़ा बयान शेयर बाजार के मौजूदा वैल्युएशन को लेकर आया, जो निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार साफ तौर पर कहा कि भारत के फंडामेंटल मजबूत हैं, लेकिन 'सस्ते पैसे' के नशे में बाजार की चाल और एआई के अति-उत्साह से बचने की जरूरत है। सरकार का फोकस अब केवल ग्रोथ पर नहीं, बल्कि 'रणनीतिक सुरक्षा' और 'गुणवत्तापूर्ण जीवन' (स्वस्थ नागरिक) पर शिफ्ट हो रहा है।

1. बाजार पर चेतावनी : 'ईजी मनी' का साइड इफेक्ट

सीईए अनंत नागेश्वरन ने स्टॉक मार्केट में चल रही तेजी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, आसान नकदी के दौर का नतीजा यह हुआ है कि स्टॉक मार्केट बहुत महंगा हो गया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब खुदरा निवेशक बाजार में भारी निवेश कर रहे हैं। उनका इशारा स्पष्ट है कि लिक्विडिटी (तरलता) के दम पर चल रही रैली में वैल्युएशन जमीनी हकीकत से दूर हो सकते हैं।

2. विकास दर : 7% की क्षमता, पर शर्तें लागू

सीईए ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8% से 7.2% के बीच रहने का अनुमान है।

- **संभावित क्षमता :** उन्होंने कहा कि भारत की संभावित जीडीपी वृद्धि दर 7% है।
- **शर्त :** यदि मैन्युफैक्चरिंग और विकास से जुड़े सुधारों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो यह आंकड़ा 7.5% से 8% तक पहुंच सकता है।

3. 'रणनीतिक स्वदेशी' की वकालत

वैश्वीकरणके बदलते स्वरूप पर नागेश्वरन ने दो टूक कहा कि अब व्यापार पारस्परिक नहीं रहा और बाजार तटस्थ नहीं रहे।

- नया मंत्र : उन्होंने 'रणनीतिक स्वदेशी' को समय की मांग बताया। यह सिर्फ आयात कम करने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए जरूरी है।
- सिस्टम में बदलाव : भारत को रणनीतिक रूप से अपरिहार्य बनाने के लिए औपनिवेशिक काल की नौकरशाही को बदलने और 'उद्यमी राज्य' की अवधारणा अपनाने की जरूरत है।

4. एआई का गुब्बारा फूटने का डर

टेक्नोलॉजी सेक्टर, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सीईए ने एक गंभीर जोखिम की ओर इशारा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई बूम उम्मीद के मुताबिक उत्पादकता बढ़ाने में विफल रहता है, तो संपत्ति के मूल्यांकन में भारी गिरावट आ सकती है। इससे वित्तीय बाजारों में बड़ी उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

5. कॉर्पोरेट इंडिया और हेल्थ

सीईए ने भारत में बढ़ते मोटापे को जनसांख्यिकीय लाभांश के लिए खतरा बताया।

- **फूड लेबलिंग :** उन्होंने निजी क्षेत्र को सुझाव दिया कि पैकेज्ड फूड पर स्पष्ट लेबलिंग होनी चाहिए ताकि लोग यह जान सकें कि वे क्या खा रहे हैं।
- **मार्केटिंग पर नकेल :** सर्वे में यह भी सुझाव दिया गया है कि शिशु दूध और बेवरेजेज की मार्केटिंग पर प्रतिबंध लगाने या सख्त नियम बनाने पर विचार किया जाना चाहिए।

घरेलू मोर्चे पर मजबूती, लेकिन बाहरी चुनौतियों का डर

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार संसद में आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश की। बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले पेश किया गया यह दस्तावेज भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा का आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार किए गए इस सर्वे का लब्बोलुआब यह है कि भारत की विकास गाथा (ग्रोथ स्टोरी) मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

यदि आपके पास पूरा दस्तावेज पढ़ने का समय नहीं है, तो यहां आसान भाषा में समझिए आर्थिक सर्वेक्षण के प्रमुख बिंदु और उनके मायने:

1. जीडीपी की रफ्तार

स्थिर और मजबूत सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8% से 7.2% के बीच रहेगी। हालांकि, यह चालू वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 7.4% से थोड़ी कम है, लेकिन वैश्विक मंदी के माहौल में यह आंकड़ा भारत की स्थिरता को दशार्ता है।

2. महंगाई पर लगाम

आम आदमी के लिए राहत की बात यह है कि महंगाई 'नियंत्रित' है। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान घरेलू मुद्रास्फीति औसतन 1.7% रही है। कोर इन्फ्लेशन में कमी यह संकेत देती है कि सप्लाई-साइड की स्थिति में सुधार हुआ है।

3.विदेशी मोर्चे पर चिंता

सर्वे ने एक महत्वपूर्ण 'विरोधाभास'की ओर इशारा किया है। जहां भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, वहीं बाहरी मोर्चे पर जोखिम बरकरार हैं। विशेष रूप से पूंजी प्रवाह और करेंसी पर दबाव चिंता का विषय है। विदेशी पूंजी के सूखे के कारण 2025 में रुपये का प्रदर्शन कमजोर रहा है।

4. राजकोषीय अनुशासन

सरकार ने अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारा है। वित्त वर्ष 2025 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8% रहा, जो बजट अनुमानों से बेहतर है। वित्त वर्ष 2026 के लिए इसे 4.4% तक लाने का लक्ष्य रखा गया है।

5. राज्यों की 'मुफ्त रेवड़ी' पर चेतावनी

सर्वे में राज्यों द्वारा बिना शर्त नकद हस्तांतरण और वित्तीय लोकलुभावनवाद पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि ऐसे खर्च पूंजीगत व्यय को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे अंततः सॉवरेन उधारी की लागत बढ़ सकती है।

रोचक तथ्यों का करंट

- शेरनियां, पुरूष शेर की तुलना में बेहतर शिकारी होती हैं और एक अपने शिकार के लिए अधिकांश काम वही करती हैं।
- आपको जानकर आश्चर्य होगा की शेरों की भयानक रात दृष्टि होती है वे मनुष्यों की तुलना में प्रकाश के प्रति 6 गुना अधिक संवेदनशील होते हैं! रात में शिकार करते समय यह उन्हें कुछ शिकार प्रजातियों पर एक विशिष्ट लाभ देता है!
- चूंकि शेर की हड्डियां दुर्लभ होती जा रही हैं, शिकारियों ने एशिया में पारंपरिक चिकित्सा की तीव्र मांगों की आपूर्ति के लिए शेर की हड्डियों की तरफ अपना रुख कर लिया हैं।
- शेर एक बच्चे के लिए लगभग 3,000 बार संभोग करते हैं!
- जंगली शेर एक दिन में करीब 20 घंटे आराम करते हैं।
- एक तुर्की नीतिवचन कहती है : एक शेर हर बहादुर आदमी के दिल में सोता है।
- दुनिया में असली सिंहों से अधिक तो शेरों की मूर्तियां हैं।
- प्राचीन मिस्रियों ने अपनी ताकत, शक्ति और उग्रता के कारण अपने युद्ध देवताओं के रूप में शेरों को सम्मानित किया। मशहूर स्फिंक्स मिस्र की संस्कृति में शेर के कई पौराणिक चित्रणों में से एक है।

तुम आओ हिन्दुस्तान तुम्हारा अपना है

प्रस्तुति करंट क्राइम

जयशंकर पांडे

तुम आओ हिन्दुस्तान तुम्हारा अपना है
घर मन्दिर सारे टूट रहे
गुंडे हैं अस्मत लूट रहे
बस्ती में आग लगाते हैं
बच्चे डर से चिल्लाते हैं
छाती से उनको चिपकाए मां-बाप भागते आते हैं
पीछे-पीछे दंगाई भी मीलों उनको दौड़ाते हैं
घर-द्वार खेत खलिहान सभी कुछ पीछे उनका छूट गया
जैसे कोई आक्रान्ता आ बेबस पा उनको लूट गया
मुश्किल अब जीवन कटना है
तुम आओ हिन्दुस्तान तुम्हारा अपना है.
बनते थे जो सेक्युलर कल तक
उनके मुंह जैसे सिले हुए
ऐसा लगता जैसे दंगाई संग हैं
वो भी मिले हुए
कालिख पोते मुंह पर विपक्ष
अब तनिक न शोर मचाता है
मुझको लगता उसको यह सब
कुछ अन्दर -अन्दर भाता है
वो हिन्दू हैं बस इसीलिए
एहसास न इनको कुछ होता
दम साधे बैठा हर कोई
सुख चैन की नींद पड़ा सोता
ये उल्टी माला जपना है....
तुम आओ हिन्दुस्तान तुम्हारा अपना है.
मीडिया भी कैसे धीरे से देखो उस ठौर धमकता है
जहां धर्मेतर कोई हत हो वहां
सारा दर्द छलकता है
फिर लोकतन्त्र और संविधान
भारत में धिक्कारा जाता
सरकार की निन्दा करने में
इन सब का श्रम सारा जाता
डेरा डाले चैनल वाले
सरकार की कमी गिनाते हैं
छुटभैये और मौकापरस्त
नेता भी ये चिल्लाते हैं
मुश्किल भारत में रहना है
तुम आओ हिन्दुस्तान तुम्हारा अपना है।

राशिफल

मेष : यदि पैसा कहीं फंसा हुआ है तो आज हाथ लग सकता है। अपने जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई तोहफा दें, तो आपका दिन अच्छा गुजर सकता है।

वृष : पेशेवर और व्यावसायिक संदर्भ में आपके लिए नए संपर्क बनाने का अनुकूल समय है। बीते समय से चल रहे प्रेम संबंध और अधिक परिपक्व हो सकते हैं।

मिथुन : आज आपका पूरा दिन माता-पिता के साथ व्यतीत हो सकता है। आप उन्हें शॉपिंग पर ले जा सकते हैं। इससे उनका पूरा दिन काफी प्रसन्न रहेगा।

कर्क : आज बहुत अधिक काम करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह तनाव और थकान ही देगा। आप पारिवारिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए जीवन के फैसले लेंगे।

सिंह : विदेश व्यापार से जुड़े सौदों को अंतिम रूप देने के लिए यात्रा की योजना बनेगी। आपको अपने विदेशी संपर्कों से लाभ मिलने की प्रबल संभावना है।

कन्या : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। परिवार के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला : आज आपको यात्रा के अवसरों को हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। दोस्तों के साथ कुछ रोचक और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा दिन है।

वृश्चिक : व्यापार आदि से जुड़े लोग आज कार्यक्षेत्र में बेहतरीन तरक्की करेंगे। मित्रों से लाभ मिल सकता है और सरकारी अधिकारी आपकी मदद कर सकते हैं।

धनु : आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। व्यापार में धन लाभ के संकेत हैं। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। काम के प्रति आपका उत्साह बना रहेगा।

मकर : आज किसी भी नए काम की शुरूआत में थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। दोस्तों के साथ मनोरंजक शाम बिताने का प्लान बनेगा।

कुंभ : शिक्षा से जुड़े जातकों की अच्छी प्रगति संभव है। रुचि के विषयों में आपका ज्ञान बढ़ेगा। आप छात्र शैक्षणिक क्षेत्र में चमकेंगे।

मीन : आज का दिन आपके लिए शुभ है। आपका कोई दोस्त आपको अपने घर डिनर पर बुला सकता है। आपकी दोस्ती में मजबूती आएगी।

चुटकुले

टीचर : पप्पू, तुम पढ़ाई क्यों नहीं करते?
पप्पू : सर, मैं भविष्य के लिए तैयारी कर रहा हूँ।
टीचर : कैसे?
पप्पू : आलस को प्रोफेशन बनाने की!

पत्नी : सुनो जी, मैं बहुत समझदार हूँ ना?
पति : हाँ बिल्कुल।
पत्नी : फिर मेरी हर बात क्यों नहीं मानते?
पति : समझदारी और मानना—दो अलग बातें हैं!

दोस्त : भाई, आजकल बहुत बिजी रहता है।
गोलू : हाँ यार।
दोस्त : किस काम में?
गोलू : काम टालने में!

बॉस : ये काम आज ही चाहिए!
कर्मचारी : जी सर।
बॉस : कितना टाइम लगेगा?
कर्मचारी : सर, आज खत्म होने तक!

30 01 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

पूजा गुप्ता (अभिनेत्री) | वंश सिंघल | गुनगुन | अर्चना सिंह | रिचा सूद | पिंटू तोमर (वरिष्ठ पत्रकार)
आरती गुप्ता | सुशील गौतम | अंकित त्यागी | नीरज नौटियाल
नीरज राजपूत | सुमित शर्मा | अमित धरान | नवनीत शर्मा | रवि तुषार | पंकज तोमर
सचिन चौहान | रचित | अंशुमा | रचित भारद्वाज

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364
सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

'डॉक्टर ने कहा था मेरे पास तीन से छह महीने बचे हैं', युवी का खुलासा; संन्यास का कारण भी बताया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सानिया मिर्जा के साथ पॉडकास्ट में अपने करियर और कैंसर के दिनों के बारे में खुलकर बात की है। युवराज ने बताया कि किस तरह उन्हें दिक्कतें शुरू हुई और डॉक्टरों ने उन्हें क्या कहा था।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खुलासा करते हुए बताया है कि जब उन्हें कैंसर के बारे में पता चला तो डॉक्टर ने उनसे कहा था कि उनके पास तीन से छह महीने बचे हैं। युवराज ने 2011 वनडे विश्व कप में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। विश्व कप के बाद युवराज का कैंसर का इलाज हुआ था और उन्होंने पूरी तरह ठीक होने के बाद मैदान पर वापसी की थी।

युवराज को एक साल से महसूस हो रहा था बदलाव

युवराज ने टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के साथ बातचीत में कहा, मुझे अपने शरीर में एक साल से बदलाव नजर आ रहा था। मुझे लगातार फ्रैक्चर हो रहा था और खाना भी नहीं पच रहा था क्योंकि ट्यूमर था। मुझे उस वक्त तक नहीं पता था कि मेरे शरीर में ट्यूमर है। मैंने बस क्रिकेट को प्राथमिकता दी क्योंकि मैं अपने करियर के पीक पर था। मैं एकमात्र खिलाड़ी हूं जो अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर होने के बावजूद प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था क्योंकि मैं किसी चीज से जूझ रहा था।

युवराज ने कहा, मुझे उस समय तक नहीं पता था कि मुझे कैंसर हो गया है। मैं भाग्यशाली था कि मैं क्रिकेट को प्राथमिकता दे पा रहा था। भारत में विश्व कप होना था और मुझे हर चीज को साइड में रखकर क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना था। हालांकि, मैं शरीर से संघर्ष कर रहा था। जब हमने विश्व कप जीता और ये सब शुरू हुआ तो मुझे कैंसर का इलाज कराना था। मुझे साल के अंत में इलाज के लिए जाना था, हालांकि, मुझे पहले ही जाना चाहिए था क्योंकि डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि मेरे पास तीन से छह महीने का समय ही शेष है। या तो आप क्रिकेट खेलें और मैदान पर ही अपना जान गंवा दें या फिर अपना इलाज कराएं।

दोबारा मैदान पर उतरने के लिए प्रतिबद्ध थे युवी

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, सौरव गांगुली संन्यास ले चुके थे और मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना काफी जरूरी थी। मेरे पास अवसर था कि मैं नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलूं। फिर मैं अपना इलाज कराने के लिए चला गया। यह एक कठिन सफर था जिसे मैं शब्दों में भी बयां नहीं कर सकता। लेकिन मैं दोबारा भारत के लिए खेलने को लेकर प्रेरित था क्योंकि सभी लोग कह रहे थे कि मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा।

'मुझे सम्मान नहीं मिल रहा था'

युवराज ने साथ ही कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा जिस कारण उन्होंने जून 2019 में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला लिया। युवराज ने 2017 से किसी भी प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था और उन्होंने 2019 में अपने करियर को लेकर फैसला लिया। युवराज ने स्वीकार किया कि क्रिकेट से उन्हें जो आनंद मिलता था, वह धीरे-धीरे खत्म हो गया था। युवी ने कहा, मुझे अपने खेल में मजा नहीं आ रहा था। मुझे लग रहा था कि जब मुझे क्रिकेट खेलने में मजा ही नहीं आ रहा तो मैं क्यों खेल रहा हूं? मुझे समर्थन नहीं मिल रहा था। मुझे सम्मान नहीं मिल रहा था और मुझे लगा कि जब मेरे पास यह नहीं है तो मुझे यह क्यों करना चाहिए? मैं उस चीज से क्यों जुड़ा हुआ हूं जिसमें मुझे मजा नहीं आ रहा? मुझे खेलने की क्या जरूरत है? क्या साबित करने के लिए? मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता, न मानसिक रूप से और न ही शारीरिक रूप से, और इससे मुझे तकलीफ हो रही थी। जिस दिन मैंने खेलना बंद किया मैं फिर से पहले जैसा हो गया।

टूर्नामेंट में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं जोकोविच, 25वें ग्रैंडस्लैम से बस दो जीत दूर

मेलबर्न। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है।

पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

सबालेंका-स्वितोलिना के बीच सेमीफाइनल में हाईवोल्टेज ड्रामा

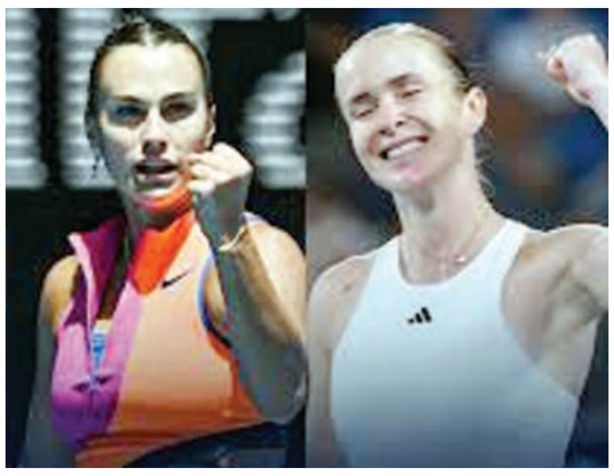

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में सबालेंका और स्वितोलिना के मुकाबले ने हाईवोल्टेज ड्रामा पैदा किया। मैच से पहले दोनों खिलाड़ियों ने न हाथ मिलाया और न ही साथ में तस्वीर खिंचवाई, जो रूस-यूक्रेन तनाव की पृष्ठभूमि से जुड़ा माना गया। इसके बावजूद सबालेंका ने दमदार खेल दिखाते हुए 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की और चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद भी दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरी बनी रही।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में महिला एकल के सेमीफाइनल में हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। महिला एकल के पहले सेमीफाइनल में बेलारूस की अरीना सबालेंका का मुकाबला यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से था। इस मैच में दोनों खिलाड़ियों ने न तो हाथ मिलाया और न ही एक दूसरे के साथ तस्वीर खिंचवाई। पर हाल फिलहाल में रूस और यूक्रेन के बीच जो कुछ भी हुआ है, उस वजह से स्वितोलिना ने सबालेंका के खिलाफ ऐसा करने का फैसला किया।

सोफी मोलिनी बनीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की नई कप्तान

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा (पूरा शेड्यूल)

मैच	तारीख	शहर / मैदान	समय (IST)
पहला टी-20	15 फरवरी, 2026	सिडनी	1:30 PM
दूसरा टी-20	19 फरवरी 2026	कैनबरा	1:30 PM
तीसरा टी-20	21 फरवरी 2026	एडिलेड	2:00 PM
पहला वनडे	24 फरवरी 2026	ब्रिस्बेन	9:00 AM
दूसरा वनडे	27 फरवरी 2026	होबार्ट	9:00 AM
तीसरा वनडे	1 मार्च 2026	होबार्ट	9:00 AM
एकमात्र टेस्ट	6-9 मार्च 2026	पर्थ	11:00 AM

सिडनी। सोफी एलिसा हीली को रिप्लेस करेंगी। हीली भारत के खिलाफ सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरूआत 15 फरवरी से होगी।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम को नई कप्तान मिल गई है। स्टार ऑलराउंडर सोफी मोलिनी को गुरुवार को अगले महीने वनडे विश्व चैंपियन भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और इस घरेलू सीरीज के बाद वह एलिसा हीली की जगह सभी प्रारूपों में कप्तानी संभालेंगी। हीली ने घोषणा की थी कि भारत के खिलाफ खेलने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। भारत के खिलाफ वह तीन वनडे और एक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की सभी प्रारूपों के लिए टीमों की घोषणा गुरुवार को की गई।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को सिडनी में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से शुरू होगा। बाकी दो मैच 19 और 21 फरवरी को क्रमशः कैनबरा और एडिलेड में खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 24, 27 फरवरी और एक मार्च को खेली जाएगी। पहला मैच ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में जबकि अगले दो मैच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में खेले जाएंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ के प्रतिष्ठित वाका ग्राउंड में छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ शुरू करेंगी अभियान

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम: सोफी मोलिनी (कप्तान), एशले गार्डनर (उप-कप्तान), ताहलिया मैकग्रा (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारतीय महिला टेस्ट टीम इस प्रकार है: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे टीम: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, हरलीन देओल, स्नेह राणा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, क्रांति गौड़, काश्वी गौतम।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की टी20 टीम: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, भारती फुलमली, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी।

मैकग्रा उपकप्तान के रूप में बरकरार

इसके बाद मार्च में वेस्टइंडीज के दौरे पर 28 साल की मोलिनी सभी प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान होंगी। ताहलिया मैकग्रा को टी20 में उपकप्तान के रूप में बरकरार रखा गया है, जबकि एक अन्य स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर एशले गार्डनर को भी टी20 में ही उपकप्तान नियुक्त किया गया है। निकोला कैरी ने सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल 19 वर्षीय लूसी हैमिल्टन को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

फीबी चोटिल होने के बावजूद टीम में

चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ की बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड को चोटिल होने के कारण मौजूदा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से बाहर होने के बावजूद सभी प्रारूपों में अपनी टीमों में शामिल किया है। अलाना किंग को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया है। मेगन शट, ग्रेस हैरिस और हीथर ग्राहम वनडे टीम में शामिल नहीं हैं।

टीम इंडिया की असली टेंशन क्या है? विश्व कप से पहले हिटमैन ने गिनाईं गत विजेता टीम की चुनौतियां

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 में भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि टीम के लिए राह इतनी आसान नहीं होगी। रोहित के अनुसार सबसे बड़ी चुनौती होगी सही टीम संयोजन चुनना, खासकर स्पिन विभाग में। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती दोनों को एक साथ खिलाना या किसी एक पर भरोसा करना, यही असली दुविधा है। रोहित ने ओस को भी अहम फैक्टर बताया, जो फरवरी-मार्च में भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मुकाबलों को प्रभावित करेगी।

टी-20 विश्व कप को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। सात फरवरी से यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। डिफेंडिंग चैंपियन और आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए पसंदीदा मानी जा रही है। पिछले एक साल में इस टीम ने कई सीरीज और मैच जीते हैं और सूर्यकुमार यादव की अगुआई में यह टीम नए कीर्तिमान रच रही है। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि खिताब को बचाने का रास्ता आसान नहीं रहने वाला है। भारत ने 2024 में रोहित की कप्तानी में ही टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था।

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले रोहित ने टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन का खुलासा किया है। उनके मुताबिक, टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ी चुनौती कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को प्लेइंग-11 में एक साथ शामिल करने को लेकर होगी। उनके मन में होगा कि क्या दोनों को साथ खिलाया जाए या फिर इन दोनों में से सिर्फ वरुण के साथ पूरे टूर्नामेंट में उतरा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में टीम इंडिया अपने स्पिन अटैक पर कुछ ज्यादा ही निर्भर रही है। वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल नियमित तौर पर टीम का हिस्सा रहे हैं और विपक्षी टीमों को इन्होंने खूब परेशान किया है। रोहित ने हालांकि, टूर्नामेंट के समय का महत्व बताते हुए कहा कि अब जबकि ठंड से वसंत ऋतु की ओर बढ़ रहे हैं तो शाम वाले मैचों में खूब ओस पड़ेगी।

टीम बैलेंस पर पड़ सकता है असर: रोहित की बात इसलिए जायज है क्योंकि तीन स्पिनरों को खिलाना टीम बैलेंस पर असर डालेगा। अगर अक्षर, कुलदीप और वरुण तीनों खेलते हैं तो भारत को सिर्फ जसप्रीत बुमराह के साथ उतरना पड़ेगा। हार्दिक दूसरे पेसर और शिवम दुबे तीसरे पेसर की भूमिका निभाएंगे। न तो अर्शदीप सिंह और न ही हर्षित राणा खेल पाएंगे, जो कि एक गैम्बल यानी रिस्क होगा। रोहित ने कहा कि सूर्यकुमार और गंभीर के लिए प्लेइंग-11 में बैलेंस लाना आसान नहीं होगा। किसी एक खिलाड़ी को नहीं खिलाना मतलब किसी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को ड्रॉप करना होगा।

रोहित ने कहा, 'भारत में प्लेइंग कंडीशन को देखें तो मौजूदा न्यूजीलैंड सीरीज में काफी ओस देखने को मिली। फरवरी-मार्च में भारत के ज्यादातर हिस्सों में ओस होगी क्योंकि ठंड खत्म होने पर होगी। यहां तक कि मुंबई में भी ओस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जबकि वहां ठंड नहीं होती। मेरे मुताबिक, 90 से 95 प्रतिशत मैदानों में ओस होगी। यह सबसे बड़ी चुनौती है। ज्यादातर मैच इससे प्रभावित रह सकते हैं।'

'किसी तेज गेंदबाज को ड्रॉप करना सही नहीं'

पूर्व कप्तान ने कहा, 'ऐसे में कोच और कप्तान क्या सोच रहे होंगे? क्या वह तीन स्पिनरों के साथ जाना पसंद करेंगे? वह ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि इसके लिए कोई तय नियम नहीं है। लेकिन इसके लिए एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को ड्रॉप करना होगा, जो कि सही नहीं होगा। यह पूरी तरह से टीम लीडरशिप की सोच पर निर्भर होगा।' भारत टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत सात फरवरी से करेगा। भारत का पहला मैच अमेरिका के खिलाफ है।

सूर्यकुमार-गंभीर की सबसे बड़ी चुनौती

रोहित ने हॉटस्टार पर बात करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को साथ कैसे खिलाएं। अगर आपको इन दोनों को साथ खिलाने वाला कॉम्बिनेशन चाहिए तो आप सिर्फ दो ही तेज गेंदबाज को खिला सकेंगे, जो कि एक बड़ी चुनौती है।' दरअसल, अक्षर टीम के उपकप्तान हैं और टीम को बैलेंस देते हैं, तो उन्हें बाहर करना मुश्किल है। हालांकि, इन परेशानियों के बावजूद विश्व विजेता कप्तान ने कहा कि अगर वह सूर्यकुमार की जगह होते तो दोनों स्पिनर्स को खिलाते।

आइसलैंड क्रिकेट ने इस तरह लिए पीसीबी के मजे विश्व कप में भागीदारी पर क्यों जल्द फैसला लेने कहा

नई दिल्ली। आइसलैंड क्रिकेट ने टी20 विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी को लेकर पाकिस्तान के मजे लिए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है जबकि टी20 विश्व कप की शुरूआत होने में अब ज्यादा समय भी शेष नहीं रह गया है। हाल ही में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी।

आईसीसी ने बांग्लादेश को दिखाया था बाहर का रास्ता

आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया था क्योंकि उसने भारत में खेलने से इनकार कर दिया था। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड टीम को शामिल किया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया था और आईसीसी से उसके मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश का यह प्रस्ताव खारिज कर दिया था। पाकिस्तान इस मामले में कूदा और बांग्लादेश का समर्थन करते हुए आईसीसी को ही घेरने लगा।

पीसीबी के रुख का इंतजार

पीसीबी ने अब तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन इसे लेकर

अब आइसलैंड क्रिकेट ने पाकिस्तान के मजे लिए हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि अगर 2009 की चैंपियन टीम टी20 विश्व कप में नहीं खेलती है तो आइसलैंड उनकी जगह लेने के लिए तैयार है। आइसलैंड क्रिकेट ने एक्स पर लिखा, 'हमें वाकई पाकिस्तान से टी20 विश्व कप में भाग लेने के बारे में जल्द फैसला लेने की जरूरत है। जैसे ही वे दो फरवरी को नाम वापस लेंगे हम तुरंत रवाना होने के लिए तैयार हैं, लेकिन उड़ान का शेड्यूल इतना जटिल है कि सात फरवरी तक कोलंबो समय पर पहुंचना हमारे लिए बहुत मुश्किल होगा।' इतना ही नहीं आइसलैंड क्रिकेट ने उनके ट्रेवल प्लान का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया।

पाकिस्तान का ड्रामा बांग्लादेश विवाद के साथ ही शुरू हुआ। पाकिस्तान खुलकर बांग्लादेश की मांग के समर्थन में उतरा था। आईसीसी ने जब बांग्लादेश की मांग को लेकर बोर्ड की बैठक में वोटिंग कराई तो पाकिस्तान ने बांग्लादेश के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान का यह कदम भी बांग्लादेश के काम नहीं आ सका और आईसीसी ने अंत में बांग्लादेश के टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। बांग्लादेश के बाहर होने से पाकिस्तान बौखला गया और उसने आईसीसी पर पक्षपात का आरोप लगाया। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि उनकी टीम का खेलना पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के फैसले पर निर्भर है।

निकोला को हर महीने पॉकेट खर्च के लिए मिलते हैं नौ करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क। निकोला पेल्ट्ज को हर महीने नौ करोड़ रुपये मिलने की खबरें बेकहम परिवार विवाद के बीच सामने आई हैं, लेकिन इन्हें विश्वसनीय सूत्रों ने अफवाह बताया है। जहां एक ओर आर्थिक दावों को लेकर भ्रम बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर ब्रुकलिन और निकोला अपने रिश्ते को लेकर स्पष्ट और आत्मविश्वासी नजर आ रहे हैं। बेकहम परिवार की चुप्पी और सार्वजनिक उपस्थिति ने इस विवाद को और जटिल बना दिया है।

पिछले कुछ दिनों से बेकहम परिवार काफी चर्चा में है। इंग्लैंड के महान फुटबॉलर डेविड बेकहम के बड़े बेटे ब्रुकलिन के अपने माता-पिता को लेकर खुलासे ने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। ब्रुकलिन ने अपने पिता

डेविड बेकहम और मां विक्टोरिया बेकहम पर सनसनीखेज आरोप लगाए थे। अब इन विवादों के बीच ब्रुकलिन की पत्नी और बेकहम परिवार की बहू निकोला पेल्ट्ज एक बार फिर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि निकोला पेल्ट्ज को उनके अरबपति पिता नेल्सन पेल्ट्ज हर महीने लगभग 10 लाख डॉलर (करीब नौ करोड़ रुपये) पॉकेट मनी के तौर पर देते हैं।

शहबाज शरीफ ने विश्व कप बहिष्कार पर लगा दी रोक! आसिफ जरदारी ने भारत से मैच खेलने को कहा

लाहौर। टी20 विश्व कप को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट इस समय असमंजस और दबाव के दौर से गुजर रहा है। भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकियों के बावजूद, पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान न तो टूर्नामेंट से हटेगा और न ही भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा। आर्थिक नुकसान और अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते पाकिस्तान अब टीम को श्रीलंका भेजने की तैयारी में है। खिलाड़ियों को सकारात्मक रहने के निर्देश दिए जा चुके हैं और टीम की यात्रा की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम इस वक्त अजीबोगरीब स्थिति में फंसी हुई है। बांग्लादेश की तरह उसके

क्रिकेटरों को नहीं पता है कि टीम भारत और श्रीलंका में होने जा रहे टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने जा रही है या नहीं। आईसीसी ने भारत में खेलने से इनकार करने वाले बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। बांग्लादेश को पाकिस्तान का समर्थन था और उसने भी टूर्नामेंट का बहिष्कार और भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने जैसी कई गीदड़भभकियां दे डालीं।

हालांकि, उनकी ओर से यह बयानबाजी अब उन पर ही भारी पड़ रही है। हर बार की तरह बड़बोलेपन के बाद पाकिस्तान वही करेगा जिससे उसने पहले इनकार किया था। यानी पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान न तो टूर्नामेंट का बहिष्कार करने जा रहा है और न ही भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा। 'ट्रॉफी चोर' के नाम से मशहूर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अब टीम को श्रीलंका भेजने की तैयारी में जुट गए हैं। टी20

विश्व कप का आगाज सात फरवरी से होने जा रहा है।

सोमवार को कोलंबो रवाना हो सकती है पाकिस्तान टीम

टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की टीम सोमवार को कोलंबो रवाना होगी। दरअसल, मोहसिन नकवी ने टीम के हिस्सा लेने या नहीं लेने पर फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार या फिर दो फरवरी तक का समय मांगा है। ऐसे में दो फरवरी यानी सोमवार को नकवी का फैसला क्या आएगा, इस अनिश्चितता के बीच पाकिस्तान टीम की फ्लाइट बुक हो चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस अनिश्चितता के बीच पाकिस्तान टीम की फ्लाइट बुक है और उन्हें एयर लंका से लाहौर से ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ कोलंबो भेजा जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि काफी उम्मीद है कि नकवी शुक्रवार तक अपना फैसला सुना देंगे।

ट्रॉफी चोर मोहसिन नकवी को अपनों से ही मिला धोखा?

हालांकि, नकवी के लिए सबसे दुख की बात यह है कि उन्हें अपने लोगों से ही झटका मिला है। नकवी ने हाल ही में टूर्नामेंट के बहिष्कार पर चर्चा के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी।

गाजियाबाद आसपास

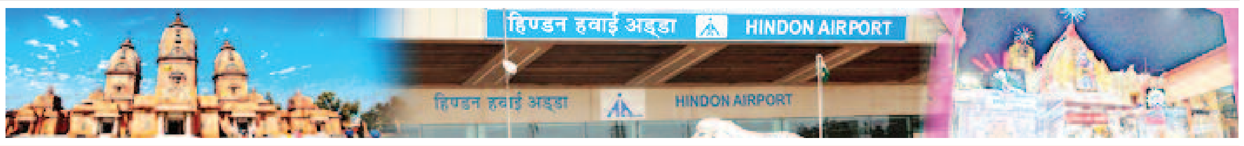

सौरव और सलोनी का सगाई समारोह हुआ धूमधाम से सम्पन्न

गाजियाबाद करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिट्टी के भतीजे तथा समरजीत सिंह बिट्टी के सुपुत्र सौरव का वाग्दान समारोह मोदीपुरम निवासी अनिल चौधरी की सुपुत्री सलोनी के साथ गुरूवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ। वेदान्ता फार्म के नायाब हॉल में आयोजित लग्न सगाई समारोह में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

बोला केसरिया फूल, क्या उसके लिए भी है वो बॉस वाला रूल

नई हवा की नई भाजपा में बहुत कुछ बदल रहा है। सियासत वाले भी अब उस कार्टून का मजा ले रहे हैं जो बीते दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसमें किसी का फेस नहीं था लेकिन समझ सब रहे थे कि क्या समझाने की कोशिश हो रही है। भगवागढ़ के केसरिया फूल ने भी इस कार्टून को लेकर दूसरे केसरिया फूल से रूल वाली बात कर ली। उन्होंने भी कार्टून प्रोटोकॉल फोलो करते हुए किसी का नाम नहीं लिया। बस मुस्कुराकर इतना पूछ लिया कि क्या ये वाला रूल उन पर भी लागू होता है। क्या उन्हें समझा दिया गया है कि तुम्हें कोई भी बॉस कहे। मगर तुम खुद को बॉस मान मत लेना। फिर केसरिया फूल ने तीन नाम लिये और कहा कि इन्हें तो भूल कर भी मत मान लेना। क्योंकि इन्होंने तुम्हें कभी बॉस ना माना है ना मानेंगे। इसके बाद भाजपाई मुस्कुराया और बोला समझ तो आप गये ही होंगे कि ये तीन कौन हैं।

पत्थर की मोटाई जब भाजपाई ने ही भाजपाई को बताई

सीन उस वाले वार्ड का है जहां इधर फूल है उधर फूल है और बीच में पार्क है। पार्क के उस कोने पर साड़ी वाले ध्वज प्रणाम वाले भाई साहब रहते हैं और पार्क के उस कोने पर केसरिया भाई साहब रहते हैं। सारे फ्लावर चाहते हैं कि पार्क बिल्कुल ऐसा हो जाये जैसे मुगल गार्डन फेल हो जाये। विधायक जी ने अपनी निधि से पैसे दे दिये मगर मौहल्ला फ्लावर को मजा नहीं आ रहा। सुना है कि इसके बाद भी मनी कलैक्ट हो गई और उधर भगवा ठेकेदार भी पार्क सुधारने के लिए आ गया। लेकिन बीच में जो बाधा है वही तो भाजपाई है। ठेकेदार भी भाजपाई है और पार्क सुधारने की तमन्नाई भीड़ भी भाजपा है। मगर मौहल्ले वाले बताते हैं कि जिसे काम में बाधा अड़ानी है तो फिर काम होगा कैसे। पड़ोस वाले मौहल्ले का भाजपाई ठेकेदार काम करने आया तो मौहल्ले का लाला भाजपाई उसे पत्थर की मोटाई बताने आ गया। स्वीकृत मोटाई कुछ और है लाला जी चाहते हैं कि इतनी थिकनेस का पत्थर लगे। सुना है कि इन तमन्नाओं से तंग आकर ठेकेदार भी बैक-टू-घर हो लिया है। उधर मार्च का महीना आ रहा है और अगर निधि खर्च न हुई तो फिर पैसा बैक-टू-सरकारी खजाना हो जायेगा। पूरे सीन को देख रहे तमाशायी ने ठहाका लगाया और कहा कि भाई साहब विकास की ये सारी जंग ही बिटवीन-द-भाई एंड भाजपाई है। पैसा कलैक्ट करने वाले भाजपाई, पैसा देने वाले भाजपाई, निरीक्षण करने भी जनप्रतिनिधि जो आये वो भी भाजपाई, जो विधायक जी के यहां लेकर पहुंचे वो भाजपाई और आरईएस का जो ठेकेदार आया वो भी तो भाजपाई है। सबसे बड़ी बात ये कि जो लाला जी पूरे काम में रोड़े अटका रहे हैं वो भी तो भाजपाई हैं।

उन्हें है ये होप कि आधे से ज्यादा टिकट तो हो जायेंगे इस बार विलोप

निगम का चुनाव अभी दूर है लेकिन एक दावेदारी का मेला ऐसा है जो उम्मीदों से भरपूर है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस बार दावेदारी में टंगड़ी और लंगड़ी का गेम फूल वालों के यहां ही चलेगा। उन्हें साईकिल हाथ हाथी से कोई मतलब ही नहीं है और वो पूरी फिल्डिंग अपने केसरिया साथी के लिए लगा रहे हैं। वार्ड वालों का पूरा रिपोर्ट कार्ड भी केसरिया वालों ने भी तैयार कर लिया है। टिकट दावेदार ने ही बताया कि जब टिकट की बेला आयेगी तब आप देखना किस-किस के साथ कौन कौन से वार्ड में खेला होने जा रहा है। उसने बताया कि 40 से ज्यादा वार्ड ऐसे हैं जहां अली बाबा 40 चोर वाला गेम हो जायेगा। उसे पूरी होप है कि 40 ऐसे मौहल्ले हैं जहां से सिटिंग पार्षदों का टिकट ही विलोप हो जायेगा। कई वीडियो बाहर आयेंगे और कई पुराने किस्से बाहर निकल कर आ जायेगें। सबसे बड़ी बात ये है कि इस बार भाजपाई का टिकट कटेगा और इस खुशी में भाजपाई के घरके बाहर ही ढोल बजेगा।

साइबर सेल थाना सिहानी गेट पुलिस ने 2.42 लाख की साइबर ठगी की राशि करवाई वापस

गाजियाबाद, करंट क्राइम : साइबर सेल थाना सिहानी गेट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड का शिकार हुए पीड़ित को 2 लाख 42 हजार रुपये की धनराशि सुरक्षित वापस दिलाई है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार राजेश गोयल निवासी नेहरू नगर, द्वारा साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी।

शिकायत में बताया गया कि उनके क्रेडिट कार्ड से धोखाधड़ी कर 2,42,000 रुपये की रकम निकाल ली गई थी। पीड़ित ने मामले की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर भी दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर सेल थाना सिहानी गेट की टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित जांच शुरू की। जांच के दौरान जिस मर्चेंट खाते में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी, उसे तत्काल होल्ड कराया गया। पुलिस की सतर्कता और प्रभावी कार्रवाई के चलते पूरी 2,42,000 रुपये की राशि पीड़ित को वापस करा दी गई। राशि वापस मिलने पर पीड़ित राजेश गोयल ने साइबर सेल थाना सिहानी गेट पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

2027 में 322 पार का लक्ष्य: केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से मिले अशोक कुमार गोयल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के निवर्तमान उपाध्यक्ष अशोक कुमार गोयल ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान शिक्षाविद एवं व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के प्रमुख नेता गुलशन भाभरी भी मौजूद रहे।

मुलाकात के दौरान प्रदेश के वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य पर चर्चा हुई। अशोक कुमार गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन और पंकज चौधरी के ऊर्जावान नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सुरक्षा, सम्मान और सुशासन के साथ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की नीतियां समाज में समरसता लाने और व्यापारियों के हितों की रक्षा करने वाली हैं।

आगामी चुनावी लक्ष्यों पर चर्चा करते हुए गोयल ने आत्मविश्वास जताया कि कार्यकताओं के कठोर परिश्रम और संगठन की एकजुटता के बल पर भारतीय जनता पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में 322 से अधिक सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी। भेंट के अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में 'सामाजिक समरसता और एकजुटता' ही पार्टी का मुख्य आधार होगी, जिससे समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

हापुड़ रोड पर हटेगी अवैध पार्किंग

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद शहर में अवैध पार्किंग की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, विशेषकर जिला मुख्यालय के बाहर स्थित हापुड़ रोड पर। यहां पर गाड़ियां अवैध रूप से पार्क की जा रही हैं, जिससे न केवल ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है, बल्कि वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को इस गंभीर समस्या पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जिला मजिस्ट्रेट ने सिटी मजिस्ट्रेट को हापुड़ रोड पर पार्किंग को पूरी तरह से रोकने और वहां पार्किंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया। गाजियाबाद के जिला मुख्यालय के पास स्थित हापुड़ रोड पर रोजाना गाड़ियों की अवैध पार्किंग की समस्या से स्थानीय जनता काफी परेशान है। इंग्राम कट तक और हापुड़ चुंगी की ओर जाने वाली सड़क पर दो लेन में गाड़ियों की पार्किंग की जाती है। इसके कारण यहां दिनभर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, बस चालक भी यहां पर यात्रियों को लेने के लिए बसें खड़ी करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। इस क्षेत्र में ट्रैफिक जाम के चलते रोजाना लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कविनगर रामलीला मैदान में भव्य श्रीरामकथा का पंचम दिवस

जीवन में धर्म की रक्षा के लिए त्याग ही सबसे बड़ा आभूषण : विजय कौशल जी महाराज

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कविनगर स्थित रामलीला मैदान में मंगलमय परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीरामकथा के पंचम दिवस गुरुवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के वनगमन का अत्यंत करुण, भावोत्तेजक और आत्मा को स्पर्श करने वाला प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु इस प्रसंग को सुनकर भाव-विभोर हो उठे और संपूर्ण वातावरण त्याग, भक्ति और करुणा से सराबोर हो गया। पूज्य विजय कौशल जी महाराज के पावन श्रीमुख से प्रवाहित रामकथा में राज्याभिषेक की तैयारी से लेकर वनगमन, निषादराज गुह से भेंट तथा केवट की निष्काम भक्ति तक के प्रसंगों का अत्यंत सजीव, रसपूर्ण और भावनात्मक वर्णन किया गया।

रामकथा का पाँचवाँ दिन

- श्रीराम का वनगमन धर्म, वचन और मर्यादा को राजसुख से ऊपर प्रतिष्ठित करता है
- तपस्वी के रूप में श्रीराम की यात्रा मोह के त्याग और संयम के वरण का संदेश देती है
- माता कौशल्या की करुण पुकार, भरत का विलाप और प्रजा की व्याकुलता ने श्रोताओं को भावुक किया।

महाराजश्री ने कोप भवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे एक ओर अयोध्या में राजतिलक की मंगल तैयारियाँ चल रही थीं, वहीं माता कैकेयी के वचनों से क्षण भर में संपूर्ण वातावरण शोक में परिवर्तित हो गया। उन्होंने कहा कि यह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं, बल्कि वह क्षण है जहाँ धर्म, वचन और मर्यादा राजसुख से ऊपर प्रतिष्ठित हो जाते हैं। नगमन प्रसंग का वर्णन करते हुए विजय कौशल जी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम का वनगमन मानव जीवन को यह सिखाता है कि धर्म की रक्षा के लिए त्याग ही सबसे बड़ा आभूषण है। जैसे ही वनगमन का निर्णय सामने आया, अयोध्या शोक में डूब गई। माता कौशल्या की करुण पुकार, भरत का विलाप और प्रजा की व्याकुलता के प्रसंगों ने श्रोताओं की आँखें नम कर दीं। महाराजश्री ने तमसा नदी के तट पर प्रभु श्रीराम द्वारा बिताई गई पहली रात्रि का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यही वह क्षण है जहाँ राजकुमार राम से तपस्वी राम की यात्रा आरंभ होती है—जहाँ मोह का त्याग और संयम का वरण होता है। श्रृंगवेरपुर में निषादराज गुह से भेंट का प्रसंग सामाजिक समरसता और सच्ची मित्रता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। महाराजश्री ने कहा कि निषादराज द्वारा पलक-पावड़े बिछाकर किया गया स्वागत यह सिद्ध करता है कि प्रभु के लिए जाति, वर्ग या स्थिति का कोई भेद नहीं—वहाँ केवल प्रेम और भाव की ही पहचान होती है। कथा का भावनात्मक शिखर केवट प्रसंग रहा। जब प्रभु श्रीराम ने गंगा पार करने के लिए नाव मांगी और केवट ने चरणरज को पारस बताते हुए पहले चरण धोने की अनुमति मांगी, तो यह क्षण निष्काम भक्ति की पराकाष्ठा बन गया। उतराई लेने से इनकार कर भवसागर से पार उतारने का वचन माँगना, उस भक्ति का प्रतीक है जहाँ सांसारिक लाभ नहीं, केवल मुक्ति की कामना होती है।

कथा के समापन पर ऋषि भरद्वाज के आश्रम आगमन का प्रसंग प्रस्तुत किया गया, जिसमें वनवासी जीवन की मर्यादा, संयम और संन्यास धर्म के आदर्श स्थापित हुए। महाराजश्री ने कहा कि यह प्रसंग मानव जीवन को संयम, संतोष और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

श्रीरामकथा ने श्रद्धालुओं के हृदय में यह भाव गहराई से स्थापित कर दिया कि त्याग में ही सच्चा सुख है, भक्ति में ही मुक्ति है और मर्यादा ही जीवन का सर्वोच्च धर्म है। कथा में मंगलमय परिवार के सदस्यों सहित हजारों रामभक्तों ने कथा श्रवण कर धार्मिक लाभ प्राप्त किया।

पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी

हापुड़। रेडियोलाजिस्ट के पद पर कार्यरत हापुड़ के कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला काजीवाड़ा के एक युवक से तीन आरोपियों ने फर्जी जज और पुलिसकर्मी बनकर 5.30 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित युवक की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कई थ्री-स्टार फिर लगा रहे हैं जोर

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों एक सिंगल वाला आदेश हुआ था। इसके बाद कई चर्चाएं और बातें बाहर आई हैं। उसके बाद फिर से अभी मामला शांत चल रहा है। वहीं इन सबके बीच जिस तरीके से यूजीसी वाले मामले में सर्वोच्च न्यायालय वाला फैसला आ गया है ,तो कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में जल्द ही लखनऊ से तबादला एक्सप्रेस रवाना हो सकती है। जिसमें आईपीएस और कई पीपीएस स्तर के अधिकारियों को स्वार किया जा सकता है। वहीं जिन कप्तानों का डीआईजी के रूप में प्रमोशन हुआ था, वह भी नए स्थान पर पहुंचेंगे। इन सबके बीच जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में फिर कई चेहरे और प्रभारी चार्ज पाने के लिए फिर से जोर लगाने में जुटे हैं जानकारी मिली है की बाइट दिनों के नाम वाला नाम आने के बाद कई लोग रेस में फिर से शामिल हो गए हैं इन सब के बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जो बाहर से आईपीएस वाली एंट्री होनी थी, उसपर भी फिलहाल वेट वाला सीन बताया जा रहा है। उधर लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि दिल्ली में एक आईपीएस ने सीधे बात रख दी थी लेकिन उस बात पर अभी पूर्ण विराम वाला मामला चल रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कई महीने पहले लाइन में आए एक सिंह साहब भी अपनी ताल ठोंकने के लिए बेताब दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है बीते कुछ दिनों में उन्होंने कई अधिकारियों के कार्यालय में सलामी लगाई है। तो अपनी फाइल भी दिखाइ है, अब देखना होगा कि उनकी फाइल पर पहाड़ और मैदान वाले भारी पड़ते हैं। इन सबके बीच जानकारी यह मिल रही है कि कई और थ्री-स्टार भी लाइन से लेकर साइड लाइन चलने वाले अपनी तार जोड़ने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि फरवरी की गुलाबी वाली ठंड के बीच आएगी, जिसमें पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के कई एसीपी सवार हो सकते हैं। इसकी पुख्ता जानकारी मिल रही है। अब देखना यह होगा कि एसीपी वाली लिस्ट के बाद किस एसीपी को नदिया पार और किसको देहात में भेजा जाएगा। वैसे तब तक एक थाने पर आईपीएस की पोस्टिंग वाला भी आदेश आ जाएगा। इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि जो थ्री-स्टार दोबारा से चार्ज पाने की जुगत में लगे हुए हैं, उन्होंने जुगाड़ वाला तंत्र सेट कर लिया है और अब आदेश का वेट हो रहा है। देखना होगा लोकल लिस्ट में किसका भला होता है।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Ruchi Garg Bjp
8h ·

"माँ होने का एहसास सच में अनमोल है।
आज मेरे बड़े बेटे अनुभव को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। मेरा प्यार और आशीर्वाद हमेशा उसके साथ है। मैं प्रार्थना करती हूँ कि अनुभव का हर नया दिन सफलता, खुशी और समृद्धि से भरा हो। ईश्वर से यही कामना है कि वह उसे हमेशा उन्नति की राह पर अग्रसर रखे।
आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाएं अनुभव के जीवन को रोशन करें।"

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रुचि गर्ग ने अपने पुत्र अनुभव के जन्मदिन पर यह अनुभव किया कि मां होने का एहसास सबसे अनमोल है। अपने बेटे अनुभव के जन्मदिन पर उसे ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। अपने बेटे के लिए जीवन की सारी खुशियां मांगी। जन्मदिन की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

बांग्लादेश चुनाव को लेकर यूनुस सरकार पर भड़कीं शेख हसीना

नई दिल्ली। बांग्लादेश में कुछ दिनों में चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच अपदस्थ नेता शेख हसीना ने भारत में निर्वासन में रहते हुए अपने देश के आगामी चुनावों की कड़ी आलोचना की है।

बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने भारत में निर्वासन में रहते हुए अपने देश के आगामी चुनावों की कड़ी आलोचना की है। ऐसा उन्होंने इसलिए किया, क्योंकि उनकी पार्टी को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया है। उनके ये बयान अगले महीने होने वाले महत्वपूर्ण मतदान से पहले तनाव को और गहरा कर सकते हैं। हसीना, जिन्हें 2024 में छात्र विद्रोह को दबाने के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। जिसके कारण उनका 15 साल का शासन समाप्त हो गया था। उन्होंने पिछले सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस को एक ईमेल में चेतावनी दी थी कि समावेशी और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के बिना बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता का सामना करना पड़ेगा।

अंतरिम सरकार ने जानकर उनकी पार्टी को चुनाव से दूर कर रही: उन्होंने यह भी दावा किया कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जानबूझकर उनकी पार्टी - पूर्व सत्तारूढ़ अवामी लीग को चुनाव से बाहर कर रही है। वहीं, उनके लाखों समर्थकों को मताधिकार से वंचित कर दिया। उन्होंने लिखा, 'जब भी आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को राजनीतिक भागीदारी से वंचित किया जाता है, तो इससे असंतोष गहराता है, संस्थानों की वैधता कम होती है और भविष्य में अस्थिरता की स्थिति पैदा होती है। हसीना ने आगे कहा बहिष्कार पर आधारित सरकार विभाजित राष्ट्र को एकजुट नहीं कर सकती,'

एक तनावपूर्ण चुनाव

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में 127 मिलियन से अधिक लोग मतदान करने के पात्र हैं, जिसे व्यापक रूप से दशकों में देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव और जन विद्रोह के बाद हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद पहला चुनाव माना जा रहा है। युनुस की अंतरिम सरकार इस प्रक्रिया की देखरेख कर रही है। इसके साथ ही मतदाता व्यापक राजनीतिक सुधारों पर प्रस्तावित संवैधानिक जनमत संग्रह पर भी विचार कर रहे हैं। चुनाव प्रचार पिछले सप्ताह राजधानी ढाका और अन्य जगहों पर रैलियों के साथ शुरू हुआ।

निष्पक्ष चुनाव का वादा

हसीना के हफ्तों तक चले हिंसक अशांति के बाद 5 अगस्त, 2024 को भारत भाग जाने के तीन दिन बाद यूनुस बांग्लादेश लौट आए और सत्ता संभाली।

आठ साल बाद चीन पहुंचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री कई समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद

बीजिंग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की बीजिंग यात्रा के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने गुरुवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक की। पिछले आठ वर्षों में किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री की यह पहली चीन यात्रा है। इस यात्रा से दोनों देश लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट को खत्म कर आपसी संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कई अहम मुद्दे पर हुई बात

कीर स्टार्मर ने बीजिंग के 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी जिनपिंग से बातचीत की। उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुलाकात के बाद दोनों देश कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टारमर का यह पहला चीन दौरा है। उनका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश

कंपनियों के लिए व्यापार के नए अवसर तलाशना है, क्योंकि इस समय ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था काफी धीमी चल रही है। इस यात्रा में उनके साथ 50 से ज्यादा बड़े कारोबारी और सांस्कृतिक संगठनों के नेता भी शामिल हैं।

तनाव का कम करने की हो रही कोशिश: शी जिनपिंग से मिलने से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के चेयरमैन झाओ लेजी से भी मुलाकात की। पिछले कुछ वर्षों में ब्रिटेन और चीन के रिश्तों में काफी तनाव रहा है। ब्रिटेन में चीनी जासूसी की खबरें, यूक्रेन युद्ध में रूस को चीन का समर्थन और हॉन्गकॉन्ग में आजादी पर की गई कार्रवाई इसके मुख्य कारण रहे हैं।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद वैश्विक व्यापार में आई रुकावटों के चलते कई देश अपने

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। आठ साल बाद हुई इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के खराब रिश्तों को सुधारना और व्यापार को बढ़ाना है।

व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए विश्व के कई अन्य देशों की ओर देख रहे हैं।

इसमें चीन भी शामिल है। कीर स्टार्मर इस महीने चीन का दौरा करने वाले अमेरिका के चौथे सहयोगी नेता हैं। उनसे पहले दक्षिण कोरिया, कनाडा और फिनलैंड के नेता भी बीजिंग जा चुके हैं। अगले महीने जर्मनी के चांसलर के भी चीन जाने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा: मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत, स्कूली बच्चा भी शामिल

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले ऐसे ही एक हादसे में 14 बच्चों की मौत हुई थी। हादसे के बाद ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय सरकारी अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने हादसे की पुष्टि की है। यह दुर्घटना उस घटना के एक हफ्ते के बाद हुई है, जिसमें इसी तरह के सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की जान चली गई थी।

कहां और कैसे हुआ हादसा

गुरुवार का यह हादसा पूर्वी क्वाजुलु-नटाल प्रांत में डरबन शहर

के पास हुआ। प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक स्कूली बच्चे सहित 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डूमा के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि ट्रक चालक ने अचानक यू-टर्न लिया, जिसके कारण मिनीबस टैक्सी से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।

पिछले हादसे में ड्राइवर की गिरफ्तारी

घायलों की हालत

प्राइवेट एंबुलेंस सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमिसन ने कहा कि हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने बताया कि मिनीबस टैक्सी का चालक मलबे में फंसा हुआ था और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

हालिया हादसों की कड़ी

यह दुर्घटना कुछ दिन पहले हुए एक और घातक हादसे के बाद हुई है, जिसमें स्कूली बच्चों को ले जा रही मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में 14 बच्चों की मौत हो गई थी।

19 जनवरी को जोहान्सबर्ग के पास हुई उस दुर्घटना के बाद मिनीबस टैक्सी के चालक को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, चालक पर 14 हत्या के आरोप लगाए गए, क्योंकि वह वाहनों की कतार को ओवरटेक करते हुए तेज और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके बाद उसकी ट्रक से टक्कर हो गई।

राज्य के अभियोजकों के मुताबिक, 22 वर्षीय चालक पर पहले गैर-इरादतन हत्या जैसे अपराध का मामला दर्ज किया गया था, जिसे बाद में हत्या के आरोपों में बदल दिया गया।

मिनीबस टैक्सी दक्षिण अफ्रीका में आम लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन का प्रमुख साधन हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 70 प्रतिशत यात्री रोजाना यात्रा के लिए मिनीबस टैक्सियों पर निर्भर हैं। लगातार हो रहे हादसों ने इस परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत और यूरोपीय संघ के समझौते से अमेरिका को लगी मिर्ची, ट्रंप के मंत्री ने बताया बेहद निराशाजनक

वॉशिंगटन। अमेरिकी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को निराशाजनक बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप ने यूक्रेन की मदद के बजाय व्यापार को चुना है। बेसेंट के कहा, यूरोप भारत के जरिए रूसी तेल खरीदकर युद्ध को बढ़ावा दे रहा है, जबकि अमेरिका ने भारत पर कड़े टैक्स लगाए हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए नए व्यापार समझौते की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यूरोप ने यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा और चिंता को छोड़कर व्यापारिक मुनाफे को ज्यादा महत्व दिया है।

एक न्यूज चैनल से बातचीत में बेसेंट ने यूरोपीय संघ के इस रुख पर गहरी निराशा जताई। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन में जारी भीषण युद्ध के बावजूद यूरोप ने अपने आर्थिक हितों

अमेरिकी मंत्री स्कॉट बेसेंट

को प्राथमिकता दी है।

व्यापार समझौते से क्या होगा फायदा : अमेरिका का यह बयान यूरोपीय संघ और भारत के बीच लंबे समय से अटके व्यापार समझौते के पूरा होने के ठीक एक दिन बाद आया है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य आपसी व्यापार को बढ़ाना और अमेरिका पर यूरोप की निर्भरता को कम करना है। इस डील के तहत 96.6 प्रतिशत व्यापारिक सामानों पर आयात शुल्क या तो खत्म कर दिया जाएगा या काफी कम होगा। जानकारों का मानना है कि इस कदम से 2032 तक भारत को होने वाला यूरोपीय निर्यात दोगुना हो जाएगा। इससे यूरोपीय कंपनियों को करीब चार अरब यूरो की बड़ी बचत होने की उम्मीद है।

बेसेंट ने लगाया आरोप: बेसेंट ने कहा कि इस समझौते से अब यह साफ हो गया है कि यूरोपीय संघ ने पिछले साल भारत पर ऊंचे टैक्स लगाने के अमेरिकी फैसले का समर्थन क्यों नहीं किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोपीय देश असल में रूस के युद्ध को पैसा पहुंचा रहे हैं। उनके मुताबिक, रूस का कच्चा तेल भारत जाता है और वहां से रिफाइंड तेल उत्पाद यूरोप में जाते हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री ने बताया कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

ट्रंप टैरिफ के बीच भारत की आक्रामक कूटनीति वैश्विक मंच पर कमजोर पड़ेगा अमेरिका

वाशिंगटन। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते से वैश्विक व्यापार संतुलन बदलता दिख रहा है। ट्रंप की टैरिफ नीति से अमेरिका का प्रभाव कमजोर पड़ सकता है।

लंबे समय तक जिस वैश्विक आर्थिक ढांचे में अमेरिका केंद्रीय भूमिका में रहा, अब उसी ढांचे में बड़ी आर्थिक ताकतें आपसी समझौतों से अपनी राह खुद तय करते दिख रही हैं। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच लगभग दो दशकों बाद हुआ मुक्त व्यापार समझौता इसी बदलाव का सबसे ठोस संकेत है।

यह डील भारतझ्ईयू संबंधों से आगे जाकर अमेरिकाझ्भारत व्यापार वार्ता, ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति और उभरते वैश्विक शक्ति संतुलन पर सीधे असर डालती है। भारत-ईयू में हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के आयात पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ समाप्त करेंगे। सीएनबीसी के अनुसार, इससे भारत को यूरोप के विशाल-स्थिर बाजार तक आसान पहुंच मिलेगी, जबकि यूरोपीय कंपनियों को भारत जैसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में निवेश और निर्यात के नए अवसर मिलेंगे। यह समझौता भारत की आक्रामक व्यापार कूटनीति और ईयू की रणनीतिक विविधीकरण नीति का साझा परिणाम माना जा रहा है।

अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता पर सीधा असर: ईयूझ्भारत व्यापार समझौता अमेरिका-भारत समझौते को आगे बढ़ाने में नई जान फूंक सकता है। वॉशिंगटन में यह धारणा मजबूत हो रही है कि यदि अमेरिका भारत के साथ ठोस समझौता नहीं करता, तो नई वैश्विक व्यापार संरचना में उसकी पकड़ अब कमजोर पड़ सकती है।

बीस साल की जड़ता क्यों टूटी

भारतझ्ईयू मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत करीब 20 वर्षों तक अटकी रही। कृषि, ऑटोमोबाइल, टैरिफ संरचना और नियामकीय मतभेद इसके प्रमुख कारण रहे। वर्ष 2024 में दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 142.3 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल व्यापार का 11.5% है, इसके बावजूद सहमति नहीं बन सकी।

भारत ने की गाजा संघर्ष सुलझाने के प्रयासों के लिए अमेरिका की तारीफ, ट्रंप का नहीं किया जिक्र

संयुक्त राष्ट्र। इस्राइल और हमास के बीच चल रही जंग में हजारों की संख्या में लोगों की जान गई है। इस संघर्ष में गाजा पूरी तरह तबाह हो गया। हालांकि अमेरिका के प्रयासों के चलते करीब दो साल से जारी जंग अब थम चुकी है और संघर्ष विराम की घोषणा भी की गई, लेकिन बीच-बीच में बमबारी की घटनाएं सामने आती रहती है। इस बीच गाजा में शांति समझौता दूसरे चरण में पहुंच गया है। ऐसे में भारत ने अमेरिका के इस कदम की सराहना की है।

भारत ने गाजा में 'लंबे समय से चले आ रहे' संघर्ष को संबोधित करने के लिए अमेरिका की तारीफ की। नई दिल्ली ने इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल ही में हुई प्रगति पर ध्यान दिया। जिसमें बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथानेनी हरीश ने हिस्सा लिया।

परवथानेनी हरीश ने मध्य पूर्व की

स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल ही में हुई प्रगति पर भारत का ध्यान है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति आभार भी व्यक्त करता है।

पिछले साल नवंबर में अपनाए गए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की 'गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना' का समर्थन किया, जिसमें कहा गया है कि 'गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा' और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

इस प्रस्ताव में एक 'शांति बोर्ड' (बीओपी) की स्थापना का भी स्वागत

गाजा में जारी संघर्ष अब थमने की कगार पर है। हालांकि बीच-बीच में गोलीबारी की खबरे सामने आती है, लेकिन अब शांति के अगले चरण पर काम किया जा रहा है। इस बीच भारत ने गाजा संघर्ष सुलझाने के प्रयासों के लिए अमेरिका की तारीफ है। हालांकि इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र नहीं किया।

किया गया, जो एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व वाला 'संक्रमणकालीन प्रशासन' होगा और व्यापक योजना के अनुसार गाजा के पुनर्विकास के लिए ढांचा तैयार करेगा और वित्तपोषण का समन्वय करेगा।

हरीश ने कहा कि गाजा का पुनर्निर्माण और आर्थिक सुधार व सार्वजनिक सेवाओं और मानवीय सहायता की बहाली एक अत्यंत कठिन कार्य है, जिसके लिए फलस्तीनी भाइयों और बहनों के दर्द और पीड़ा को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन और प्रतिबद्धता की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'साथ ही, हमें यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि आतंकवाद का सभ्य समाजों में कोई स्थान नहीं है और इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की जानी चाहिए।' इस बात पर जोर देते हुए कि गाजा में आवश्यक पुनर्निर्माण का पैमाना बहुत बड़ा है भारत ने कहा कि यूएनओपीएस (संयुक्त राष्ट्र परियोजना सेवा कार्यालय) का अनुमान है कि गाजा में 60 मिलियन टन मलबा है। उन्होंने ने कहा, 'मलबे में हानिकारक पदार्थ भी मौजूद हैं। इसलिए इस स्थिति से निपटने में पारंपरिक पुनर्निर्माण मॉडल सीमित साबित होंगे। तकनीकी सटीकता के साथ एक नवीन दृष्टिकोण की आवश्यकता है।' भारत ने आगे कहा कि गाजा में मानवीय स्थिति में क्रमिक सुधार हुआ है, लेकिन भीषण सर्दी और विनाश की व्यापकता इस कार्य को कठिन बनाए हुए है। इसी के साथ भारत ने सुरक्षित मानवीय सहायता पहुंचाने की अपनी अपील भी दोहराई।

जलवायु परिवर्तन से दक्षिणी अफ्रीका में भीषण बाढ़, 100 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिणी अफ्रीका के कई हिस्सों में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और भीषण बाढ़ को मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने खतरनाक बना दिया है। इस आपदा में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़ दूसरी जगह शिफ्ट होना पड़ा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में सामने आई है।

सड़क और पुल बहे

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन द्वारा दक्षिण अफ्रीका, मोजाम्बिक और ज़िम्बाब्वे में हुई भारी बारिश का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार, इन इलाकों में महज 10 दिनों के भीतर पूरे एक साल के बराबर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके कारण घरों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसकी लागत लाखों डॉलर आंकी जा रही है। मोजाम्बिक में कई घर और इमारतें पूरी तरह पानी में डूब गईं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो और म्पुमालांगा प्रांतों तथा

ज़िम्बाब्वे के कुछ हिस्सों में सड़कें और पुल बह गए।

ला नीना ने बनाया हालत गंभीर

रिपोर्ट में बताया गया है कि यह बारिश सामान्य नहीं थी। इतनी तेज बारिश आमतौर पर 50 साल में एक बार होती है, लेकिन अब ऐसे घटनाक्रम ज्यादा हिंसक हो रहे हैं। इस स्थिति को मौजूदा ला नीना मौसम प्रणाली ने और गंभीर बना दिया, जो आमतौर पर इस क्षेत्र में ज्यादा बारिश लाती है, लेकिन इस बार यह ज्यादा गर्म वातावरण में सक्रिय थी।

'बाढ़ में बदल गई बारिश'

रॉयल नीदरलैंड्स मौसम विज्ञान संस्थान के जलवायु शोधकर्ता और अध्ययन के सह-लेखक इज़िदीन पिंटो ने कहा कि जीवाश्म ईंधनों के लगातार इस्तेमाल से अत्यधिक बारिश की तीव्रता बढ़ रही है। हालिया बारिश की तीव्रता में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी को जलवायु परिवर्तन के बिना समझाना संभव नहीं है।

उनके अनुसार, जो बारिश पहले भी गंभीर होती, वह अब एक विनाशकारी बाढ़ में बदल गई है, जिससे निपटने के लिए लोग तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिकों के लिए भी इस बार की बाढ़ की तीव्रता चौंकाने वाली रही।

मोजाम्बिक मौसम सेवा के शोधकर्ता बर्नार्डिनो न्हांतुम्बो ने बताया कि कुछ इलाकों में दो से तीन दिनों में उतनी बारिश हो गई, जितनी पूरे बरसाती मौसम में होती है।

उन्होंने कहा कि मोजाम्बिक नौ अंतरराष्ट्रीय नदियों के निचले हिस्से में स्थित है, इसलिए भारी बारिश के साथ-साथ नदियों के तेज बहाव ने भी तबाही बढ़ा दी।

मोजाम्बिक के कई हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित

इस आपदा से मोजाम्बिक के मध्य और दक्षिणी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। गाजा प्रांत की राजधानी जाइ-जाइ और पास का शहर चोक्वे लंबे समय तक पानी में डूबे रहे। अधिकारियों का कहना है कि पूर्वानुमान के बावजूद नुकसान को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था। शोधकर्ताओं ने अफ्रीका में ही जलवायु मॉडल विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है।

'बढ़ सकती है बाढ़ की घटनाएं'

इंपीरियल कॉलेज लंदन की प्रोफेसर फ्रिडेरिके ओटो ने कहा कि दुनिया में उपलब्ध अधिकांश जलवायु मॉडल अमेरिका, यूरोप और एशिया में विकसित किए गए हैं। अफ्रीका में कोई स्वतंत्र जलवायु मॉडल न होने के कारण इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सटीक आकलन करना मुश्किल हो जाता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर जलवायु परिवर्तन पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में दक्षिणी अफ्रीका समेत दुनिया के कई हिस्सों में ऐसी जानलेवा बाढ़ की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

उड़ान के कुछ मिनट बाद हुआ क्रैश

बोगोटा। कोलंबिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित नोर्टे दे सांतांदेर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में बुधवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह विमान सरकारी एयरलाइन साटेना का था। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले प्रशासन को बताया कि विमान क्यूरासिका नाम के इलाके में गिरा है। इसके बाद तुरंत एक रेस्क्यू टीम को भेजा गया ताकि यात्रियों की स्थिति का पता लगाया जा सके। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर जीवित नहीं बचा।

जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह 11:42 बजे कुकूता शहर के एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उसे ओकान्या शहर जाना था, जो पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है। आमतौर पर यह सफर करीब 40 मिनट में पूरा हो जाता है। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस घटना के दौरान विमान में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें दो क्रू मेंबर और13 यात्री शामिल थे।

इन यात्रियों में एक प्रमुख नाम डायोजेनेस क्विंटेरो का भी था, जो अपने इलाके में आंतरिक सशस्त्र संघर्ष के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करते थे। उनकी मौत को लेकर स्थानीय लोगों में काफी दुख और चिंता है। विमान का रजिस्ट्रेशन नंबर ल्ङ4709 बताया गया है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि हादसा किन कारणों से हुआ। जांच एजेंसियां इसकी जांच करेंगी कि तकनीकी खराबी थी, मौसम की वजह से हुआ या कोई और कारण था।

महापौर की अध्यक्षता में 82.76 करोड़ के विकास प्रस्तावों पर मुहर

पेयजल, सीवर, पार्क सौन्दर्यीकरण व प्रकाश व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

गाजियाबाद, करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में आयोजित 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि की महत्वपूर्ण बैठक में शहर के समग्र विकास से जुड़े 82 करोड़ 76 लाख रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इन प्रस्तावों में पेयजलापूर्ति, सीवर लाइन, पार्कों का सौन्दर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य शामिल हैं।

तीन विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की मंजूरी बैठक में विधानसभा-वार विकास कार्यों को भी हरी झंडी दी गई है। जिसमें साहिबाबाद विधानसभा में 31.43 करोड़, मुरादनगर विधानसभा 18.09 करोड़ और शहर विधानसभा 30.63 करोड़ से होगा। महापौर ने कहा कि इन योजनाओं से शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर रूप में उपलब्ध होंगी और गर्मी से पहले पेयजल व्यवस्था को सुचारू कर दिया जाएगा। जलकल विभाग के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में 30 एचपी के नए नलकूपों की स्थापना, पुराने नलकूपों का रिबोर, नई पेयजल पाइप लाइन बिछाने और हजारों नए जल कनेक्शन दिए जाने के प्रस्ताव पास किए गए। वहीं साई एन्क्लेव, लोहिया नगर, न्यू पंचवटी, राजनगर, शताब्दीपुरम, संजय नगर, ओम विहार, राजीव कॉलोनी, अर्थला, ज्ञान खंड सहित 30 एचपी के कई वार्डों में नलकूप लगाए जाएंगे, जिसकी अनुमानित लागत 5.25 करोड़ है। वहीं नलकूप रिबोर के लिए नेहरू नगर, आनंद विहार, राजनगर आरडीसी, कविनगर, शास्त्री नगर, वैशाली सहित विभिन्न क्षेत्रों में रिबोर का कार्य, जो अनुमानित लागत 4.18 करोड़ है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा इन

विकास कार्यों से शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ रूप से मिलेंगी। हमारी प्राथमिकता है कि गर्मी से पहले पेयजल व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त हो। सभी कार्य नगर आयुक्त एवं विभागाध्यक्षों की निगरानी में गुणवत्ता के साथ पूरे कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्य जनता का अधिकार हैं, और इन्हें समय पर पूरा करना नगर निगम की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही सभी स्वीकृत कार्य निविदा प्रक्रिया के बाद प्रारंभ किए जाएंगे और नगर आयुक्त के नेतृत्व में संबंधित विभागाध्यक्षों की निगरानी में कराए जाएंगे।

डाली जाएगी नई पेयजल पाइप लाइनें

करंट क्राइम : सिटी, कविनगर, विजयनगर, वसुंधरा और मोहननगर जोन में हजारों मीटर लंबी लखड़ए पाइप लाइनें बिछाई जाएंगी। कुल लागत कई चरणों में 15 करोड़ से अधिक है। वहीं सीवर संयोजन व नालों की समस्या से राहत मिलेगी। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नई सीवर लाइनें, हाउस होल्ड कनेक्शन, इंटरमीडिएट चैंबर निर्माण और सिटी फॉरेस्ट नाले को एसटीपी से जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

हरवंश नगर, शांति नगर, आरके पुरम, विजय नगर सहित कई इलाकों में हजारों नए सीवर कनेक्शन

करंट क्राइम : रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए अलग से 2 करोड़ की योजना है। उधर उद्यान विभाग के तहत शहर के लगभग सभी जोनों में पार्कों का सौन्दर्यीकरण किया जाएगा। इसमें बाउंड्री वॉल, फुटपाथ, रंगाई-पुताई, प्लास्टर, ग्रीन बेल्ट विकास शामिल हैं। महामाया स्टेडियम से रेलवे लाइन तक बायोडायवर्सिटी पार्क कार्य नेहरू नगर, कविनगर, गोविंदपुरम, शालीमार गार्डन, इंदिरापुरम, शिप्रा सन सिटी सहित दर्जनों पार्क कुल लागत 24 करोड़ से अधिक होगा। प्रकाश विभाग द्वारा मुख्य मार्गों, फ्लाईओवर, चौराहों और पार्कों में डेकोरेटिव पोल, छएऊस्ट्रीट लाइट, फसाड लाइटिंग लगाई जाएगी। मेरठ रोड, एनएच-24, राजनगर एक्सटेंशन, इंदिरापुरम, कविनगर, वसुंधरा सहित सभी जोन नगर निगम मुख्यालय में भी फसाड लाइटिंग और डीजल जनरेटर की स्थापना कुल लागत : 25 करोड़ से अधिक रहेगी।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आपने देखा ही यूजीसी वाले मामले में कितना क्रान्ति रहा मैडम त्यागी का फेस? वो कर रहीं थीं कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने के लिए कूच? इससे पहले मामला और गर्माता? कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले ही आ गया कोर्ट का बिल पर रोक का आदेश? कहने वाले ने कहा बस ऐसा होने से मामला नहीं पकड़ पाया उतना ऊफान? पता चला है, नहीं तो मैडम त्यागी उठाने वाली थीं पूरा तूफान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब कथा में एक ठाकुर ने देखा दूसरे भगवा ठाकुर की ओर? तो फिर वो नहीं लगा पाये अपने शब्दों पर ब्रेक? मुस्कुराकर बोले, चार आदमी नहीं इकट्ठे कर पाता है हमारा भाई? फिर भी देखो कैसे ले रहा है टीम में आने की अंगड़ाई? ये कहकर आ गई फिर इस ठाकुर चेहरे पर मुस्कान? फिर इस चेहरे ने इस बात को बोलकर खींच लिया अन्य दृश्यों की ओर अपने साथ वाले का ध्यान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम देख रहे थे युवा क्रान्तिकारी का उस वक्त गजब का किरदार? जब भगवागढ़ के बहुत ही नाईस वैश्य नेता बांध रहे थे क्रान्तिकारी त्यागी के तारीफों के पुल बेशुमार? करा रहे थे वो इस युवा चेहरे को एहसास कि इसमें है बाकी युवा चेहरों से अलग बात? इसकी क्रान्ति के वो हो रहे थे कायल? तारीफों से हो रहा था युवा का भी दिल मोहब्बत में घायल? हमने देखा फिर इसने भी उमेड़ा फिर वैश्य नेता पर पूरा प्यार? ये उनको सीऑफ करके आया? जब वो गये कार्यक्रम स्थल से बाहर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमने जब देखी आपके अखबार में सांसद जी की खबर? उसमें वो अफवाहें फैलाने के लिए निशाने पर लेते हुए कर रहे थे कलकत्ते वाली दीदी का जिक्र? करा रहे थे वो ये एहसास कि हादसों को इस तरह से विवादित बताना नहीं है अच्छी बात? वहीं दूसरी ओर उनके प्रतिनिधि की भी हमने देखी पोस्ट? वो हादसे वाली पोस्ट की खबर में जो डाउट आ रहा था? उसको अपने स्टेटस पर कर रहे थे होस्ट? कहने वाले ने कहा हो सकता है यहां पर रह गया हो कम्यूनिकेशन गैप? क्योंकि प्रतिनिधि उतना ही करते हैं जितना मिलता है उन्हें सांसद जी से मैप?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वेस्ट से आई हमारे कानों में आवाज? मजबूती दे रहे थे संगठन के गौतम और दो त्यागियों को वहां से निकले ये अल्फाज? देने वाले दे रहे थे यही संदेश? कह रहे थे क्या हो गया अगर कई बार संगठन में भूमिका निभा चुके हैं ये सब? फिर से इन तीनों को सिस्टम में रिपीट किया जा सकता है? इसमें नहीं है कोई क्लेश? पार्टी मैरिट पर करेगी काम? अगर ये सक्रियता के ट्रैक रिकार्ड में ठीक हैं? फिर से इनको दिया जा सकता है टीम में स्थान? हमने भी पढ़ा हुआ है पार्टी का संविधान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस तरह क्रान्तिकारी मैडम त्यागी भगवा राजनीति से ज्यादा सनातन की विचारधारा को दे रहीं हैं भाव? कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है हमें पूरी राय से क्रासिंग वाली मैडम का भी ताव? वो भी इन दिनों फ्रंट-फुट पर आकर मार रही हैं शॉट? ताने दे रही हैं किसी को बहुत ही हॉट? कहने वाले ने कहा वो जो बोलती हैं, सबको समझ आता है? किसके लिए कहा जा रहा है वो शख्स, इन शब्दों को समझ जाता है? ऐसा लग रहा है कि मैडम पूरी राय से संगठन से दूर रहने का कर रही हैं विचार? चर्चा में है उनका क्रान्तिकारी अवतार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि साहब के आने की खबर लगते ही समाजसेवी अजय गुप्ता का दिल हो जाता है बाग-बाग? हमने किसी और चेहरे के लिए नहीं देखी उनके दिल में कभी इतनी मोहब्बत की आग? खबर लगते ही वो साहब के आने का शुरू कर देते हैं प्रचार? कहने वाले ने कहा यूं तो हमने कई समर्थक देखे हैं? मगर ऐसा समर्थक नहीं देखा है यार? जो आगमन से तीन दिन पहले ही हो जाता है स्वागत के लिए तैयार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि एसआईआर अभियान की कमजोरी को लेकर ऊपर से आया था उनके पास फोन? सुना है फोन करने वाले की बड़ी ही रूड थी टोन? वो अभियान की गति को देखकर नहीं दिख रहे थे खुश? फोन से बाहर आती आवाजों में हमें आ रही थी कुछ गरमा-गरम आवाज? कहने वाले ने कहा एक्सप्रेशन देखकर लग रहा था? नीचे वालों से इस मामले में ऊपर वाले हो गये हैं कुछ ज्यादा ही नाराज?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आपने कुछ दिन पहले लिखी थी सांवरे सांवरे से सांवरिया जी को लेकर एक बात? बताया था कि उनके एक प्रोग्राम में दर्शन नहीं देगा एक चेहरा उनका खास? इस बात को हमें पता है सांवरिया जी भी गये हैं मान? उनको भी पता है कि उनके आयोजन में हकीकत में उनके प्रिय चेहरे ने दर्शन नहीं दिये श्रीमान? अब तो सावंरिया जी ही करेंगे इस बात को क्लियर? आखिर क्या वजह रही जो उनके प्रोग्राम में नहीं आया उनका डियर? जबकि ये चेहरा उनके पारिवारिक फंक्शन में था बिल्कुर उनके नियर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बता रहे हैं आपको बहुत ही गहरी बात? भगवागढ़ के एक विधायक ने कर ली है अपनी तमन्नाओं को लेकर पार्टी के बड़े चेहरे से मुलाकात? दे दिया है उनको संदेश? अगर आप मुझे आजू वाली सीट से बाजू वाली सीट पर भी भेज देंगे? तब भी तैयार है मेरा फेस? कहने वाले ने कहा हो सकता है ये अफवाह हो सकती है श्रीमान? हम तो आपको इसलिए बता रहे हैं? क्योंकि दीवारों के भी होते हैं कान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने विवेचकों को दिए सख्त निर्देश
समयबद्ध व निष्पक्ष जांच पर दिया जाए जोर

जल्द पहले से अधिक अपग्रेड होगा कवि नगर थाना, आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) केशव कुमार चौधरी ने गुरुवार को सर्किल कवि नगर अंतर्गत थाना कवि नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में लंबित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण को लेकर विवेचकवार आदेश कक्ष का आयोजन किया और सभी उपनिरीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक मुकदमे की जांच निश्चित समय सीमा में, निष्पक्ष और विधिसम्मत तरीके से पूरी की जाए। एडिशनल सीपी ने विवेचकों से कहा कि जांच के दौरान वादी और प्रतिवादी-दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी जाए, तथ्यों के आधार पर कार्रवाई हो और अनावश्यक विलंब से बचा जाए।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि केस डायरी अद्यतन रखी जाए, साक्ष्यों का समय पर संकलन हो और गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान एसीपी एवं थाना प्रभारी कवि नगर भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने थाने की कार्यप्रणाली, अभिलेखों की स्थिति और लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा की।

कवि नगर थाना होगा अत्याधुनिक, निर्माण कार्य तेज

करंट क्राइम। कवि नगर थाने में तेज गति से निर्माण कार्य चल रहा है। थाने को पहले से अधिक अपग्रेड किया जा रहा है, जिसमें आधुनिक मलखाना, सुसज्जित कार्यालय, बेहतर रिकॉर्ड-प्रबंधन और हाईटेक सुविधाएं शामिल होंगी। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण से जुड़े सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं, ताकि थाना शीघ्र ही आधुनिक और सुव्यवस्थित रूप में तैयार हो सके। एडिशनल सीपी ने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और निर्धारित समय में कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं मिल सकें।

यूजीसी एक्ट के विरोध में डासना से गाजियाबाद तक पैदल मार्च

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिवशक्ति धाम डासना से आज 'यूजीसी एक्ट 2026' के विरुद्ध भारी संख्या में महिलाओं ने हुंकार भरी। भाजपा से जुड़ी महिला नेताओं के नेतृत्व में निकले इस पैदल मार्च में महिलाओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ज्ञापन भेजकर इस कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की। डॉ. उदिता त्यागी और सभासद शशि चौहान ने घोषणा की है कि यदि 7 दिनों के भीतर यह 'काला कानून' वापस नहीं हुआ, तो 5 फरवरी को दिल्ली में शिक्षा मंत्री के आवास पर 1000 महिलाएं सामूहिक अग्निसमाधि लेंगी।

डॉ. उदिता त्यागी और शशि चौहान के नेतृत्व में फूटा महिलाओं का आक्रोश

डॉ. उदिता त्यागी ने आशंका जताई कि इस एक्ट की 'इक्विटी कमेटी' सवर्ण बच्चों के विरुद्ध जातीय नरसंहार और बेटियों के शोषण का माध्यम बनेगी। उन्होंने इसे हिंदू एकता को तोड़ने वाली रणनीति करार दिया। शशि चौहान ने कहा कि हमने देश और धर्म के लिए सदैव बलिदान दिए हैं, लेकिन अब अपने बच्चों के भविष्य को राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देंगे। यह कानून समानता के अधिकार का हनन है। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने पुष्प वर्षा कर महिलाओं को विदा किया और उनकी सुरक्षा हेतु अपने शिष्यों व संन्यासियों को साथ भेजा। इस मार्च में गीता त्यागी, अंजना त्यागी, गुंजन गुप्ता सहित सैकड़ों महिलाओं ने जगदम्बा महाकाली की शपथ लेकर संघर्ष का बिगुल फूंका।

यूजीसी की दमनकारी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय व्यापार मंडल का हल्लाबोल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला कार्यालय (केजी 35, कवि नगर) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की खास बात यह रही कि जिला संगठन मंत्री अनिल जुल्का ने अपने जन्मदिन को उत्सव के रूप में न मनाकर, यूजीसी की 'दमनकारी' नीतियों के विरुद्ध रोष प्रकट करने के रूप में मनाया।

बैठक का नेतृत्व जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता ने किया। व्यापार मंडल ने सरकार से हाथ जोड़कर अपील की है कि यूजीसी के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। वक्ताओं का मानना है कि नए नियमों में सामान्य वर्ग के हितों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे समाज में असंतुलन पैदा हो सकता है। पंडित अशोक भारतीय ने कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालयों की समितियों में केवल एससी, ओबीसी और दिव्यांग सदस्यों को रखना और सामान्य वर्ग को बाहर रखना अन्यायपूर्ण है। यह चिंता जताई गई कि यदि कोई विद्यार्थी या व्यक्ति मानसिक कुंठावश सामान्य वर्ग के शिक्षक या छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत करता है, तो शिकायतकर्ता पर कार्रवाई का प्रावधान न होना 'घोर अन्याय' है।

संगठन ने तीखे शब्दों में सरकार को आगाह करते हुए कहा कि यदि इन नीतियों पर पुनर्विचार नहीं किया गया, तो सरकार के लिए यह 'यूजीसी यानी उल्टी गिनती' साबित हो सकती है।

कार चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, लग्जरी कार बरामद

क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने भेजा आरोपी को जेल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के सिटी जोन अंतर्गत थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस को वाहन चोरी के मामले में सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने वाहन चोरी व कार चोरी के मास्टरमाइंड कबीर उर्फ आदिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की लग्जरी कार (किया सोनेट), दो फर्जी नंबर प्लेट सहित अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कबीर उर्फ आदिल पर करीब 14 अलग-अलग जनपदों में वाहन चोरी के

मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चोरी की गाड़ियों को बेचने के नेटवर्क में सक्रिय था। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि आरोपी पहले भी नोएडा, इलाहाबाद, फिरोजाबाद और आगरा समेत कई जिलों की जेलों में रह चुका है। वह करीब तीन महीने पहले ही आगरा जेल से रिहा हुआ था और रिहाई के बाद दोबारा वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने लगा। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी चोरी की लग्जरी गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें बाजार में खपाने की फिराक में था, लेकिन समय रहते क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने उसे धर दबोचा।

बरामद की गई किया सोनेट कार की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मतदेय स्थलों पर होगी नोटिस की सुनवाई, सूची जारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सौरभ भट्ट ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नोटिस अवधि में निर्वाचकों को जारी किए गए नोटिसों की सुनवाई के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 54-मुरादनगर में मतदेय स्थलों के आधार पर सुनवाई स्थलों में संशोधन किया गया है। निर्वाचक

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदेय स्थल संख्या 190 से 216 तक के मतदाताओं के नोटिसों की सुनवाई निम्नानुसार निर्धारित की गई है-भाग संख्या 190 से 197, सुनवाई दिनांक : 30 जनवरी 2026, समय : प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक, स्थान : सर छोटूराम किसान इंटर कॉलेज, दुहाई। भाग संख्या 198 से 207, सुनवाई दिनांक : 31 जनवरी 2026, समय : प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक, स्थान : जी.बी. पब्लिक स्कूल, मोरटा। भाग संख्या 208 से 216, सुनवाई दिनांक : 02 फरवरी 2026, समय : प्रातः 12.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक, स्थान : जी.बी. पब्लिक स्कूल, मोरटा। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 54-मुरादनगर के जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है, वे अपने नोटिस की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

यूजीसी की नई अधिसूचना के विरोध में उतरी अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा समता संवर्धन के नाम पर जारी की गई 13 जनवरी 2026 की अधिसूचना के खिलाफ अब सामाजिक संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने इस अधिसूचना को भेदभावपूर्ण और शिक्षण संस्थानों का माहौल बिगाड़ने वाला बताते हुए इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की है। गुरुवार को महासभा के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी गाजियाबाद के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि नए नियम व्यवहार में समाज में समरसता बढ़ाने के बजाय अविश्वास, भय और विभाजन को जन्म देंगे।

महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष पं. जे. के. मौई ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि इस अधिसूचना के प्रावधानों से विशेषकर सामान्य श्रेणी (स्वर्ण जाति) के छात्र-छात्राओं में असुरक्षा और मानसिक उत्पीड़न का भय व्याप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल और 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों को दरकिनार कर लागू किए गए ये नियम झूठी और दुर्भावनापूर्ण शिकायतों का जरिया बन सकते हैं, जिससे निर्दोष छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री पं. हरी ओम शर्मा ने कहा कि इतनी बड़ी नीति लागू करने से पहले किसी भी स्तर पर हितधारकों से परामर्श नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे परिसरों में वर्षों से चला आ रहा आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बाधित होगा और छात्र एक-दूसरे को संदेह की दृष्टि से देखने लगेंगे।

इस अवसर पर संगठन के कई वरिष्ठ सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में शिक्षा के भगवाकरण या किसी भी प्रकार के पक्षपाती नियमों का विरोध करने का संकल्प लिया।

एक परिवार के पांच लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ी, पति-पत्नी की रहस्यमयी मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सादुल्लापुर में एक परिवार के पांच लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने से इलाके में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान पति-पत्नी की मौत हो गई, जबकि उनके तीनों बच्चे सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

एडीसीपी सेंट्रल नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि 28 और 29 जनवरी की रात थाना ईकोटेक-3 पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम सादुल्लापुर में रहने वाले एक परिवार के सभी सदस्यों की हालत अचानक गंभीर हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी पांचों लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद बताया कि सभी की तबीयत किसी जहरीले पदार्थ के सेवन से बिगड़ी थी। उपचार के दौरान श्रवण पुत्र अमरनाथ पाल और उनकी पत्नी नीलम की मौत हो गई।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।